स्मारिका
२०२१

दिसम्बर 2021 | वर्ष 7, अंक 7

ले.ज. गुरमीत सिंह
पीवीएसएम, यूवाईएसएम,
एवीएसएम, वीएसएम (से.नि.)
राज्यपाल उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय,
देहरादून–248003
फोन: 0135–2757400
2757403

संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय कि उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन अपना स्थापना दिवस 06 दिसम्बर 2021 को हर्षोल्लास के साथ आयोजित कर रहा है। इस अवसर पर **''स्मारिका 2021''** का प्रकाशन तथा रैतिक परेड का अयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनायें।

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा पूर्ण तत्परता एवं कार्य कुशलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है। यह प्रसन्नता का विषय है कि स्थापना दिवस आयोजन के अवसर पर संगठन द्वारा कर्त्तव्य परायण दिवंगत होमगार्ड्स के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

मैं आशा करता हूँ कि संगठन अपने संकल्पों के साथ राजकीय तथा समाजिक कार्यों में समर्पित होकर अपना योगदान देते रहेंगे।

होमगार्ड्स दिवस 2021 के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की सफलता की कामना करता हूँ।

स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाएँ।

गुरमीत

ले.ज. गुरमीत सिंह

अमित शाह

गृह मंत्री
भारत

सत्यमेव जयते

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक संगठन द्वारा दिनाँक 6 दिसम्बर 2021 को अपना 59 वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है।

परंपरागत रूप से दोनों संगठन संकट के समय में राष्ट्र को मूल्यवान निस्वार्थ सेवा प्रदान करते हैं। कोविड 19 महामारी के विरूद्ध लडाई में नागरिक सुरक्षा और गृह रक्षक संगठनों की प्रतिबद्धता और सहारात्मक योगदान प्रशंसनीय है। मुझे विश्वास है कि वे वर्तमान कोविड–19 परिदृश्य में उपयुक्त व्यवहार के लिए समुदाय को प्रेरित करते रहेंगे और भविष्य में भी समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे।

नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक संगठन के वार्षिक दिवस के अवसर पर उनके आदर्श वाक्या **'सर्व भूत हिते रतः'** एवं **'निष्काम सेवा'** के साथ समुदाय और राष्ट्र को सशक्त बनाने कि दिशा में सकारात्मक योगदान की अपेक्षा करता हूँ।

मैं नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर समस्त अधिकारियों, कार्मिकों व स्वयं सेवकों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सभी भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

अमित शाह

पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय
देहरादून-248001
फोन : 0135-2650433
: 0135-2716262
फैक्स: 0135-2712827
कैम्प कार्यालय
फोन : 0135-2650033
: 0135-2750344
फैक्स: 0135-2752144

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा 06 दिसम्बर 2021 को अपनी स्थापना की वर्षगांठ पर ''होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा दिवस'' का आयोजन किया जा रहा है तथा इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन किये जाने पर शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

होमगार्ड्स संगठन कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस एवं प्रशासन के साथ कार्य कर रहा है। चारधाम यात्रा, कुम्भ मेला, यातायात व्यवस्था के संचालन में महिला व पुरूष जवानों द्वारा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। कोरोना महामारी के समय स्वयं सेवक कोरोना योद्धाओं की तरह कार्य कर रहे है, जो प्रशंसनीय है।

मैं स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयं सेवकों को बधाई देते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

(पुष्कर सिंह धामी)

अजय भल्ला, भा.प्र.से.
Ajay Bhalla, IAS

गृह सचिव
Home Secretary
भारत सरकार
Government of India
नार्थ ब्लाक/North Block
नई दिल्ली/New Delhi

संदेश

It is a matter of pride and satisfaction that Civil Defence and Home Guards, the twin statutory voluntary organizations, dedicated to the service of the nation, shall be Celebrating their 59 Raising Day on 06th December 2021.

2. Volunteers of Civil Defence and Home Guards organizations play a vital role in harnessing community effort at the time of crisis and render valuable service to the nation by extending support to Armed Forces, maintaining law and order and providing relief to the victims of natural disasters/calamities and hardships. Their selfless service rendered during COVID 19 pandemic and support to local/state administration emerged as a real force multiplier'.

3 I am confident that the courage, discipline and sense of dedication of all those associated with Civil Defence and Home Guards will enable them to serve our country with greater zeal and enthusiasm in pursuance of their motto "सर्व भूत हिते रत:" and "निष्काम सेवा" respectively.

4 I extend my heartiest greetings to the members of Civil Defence andHome Guards Organizations on the occasion of their Raising Day on06th December 2021 and wish them all the success in their future endeavours.

10/11/21

Ajay Bhalla

Place New Delhi

Dated 10.11.2021

डॉ0 सुखबीर सिंह संधू
आई.ए.एस.

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड शासन,
Govt. of Uttarakhand
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भवन
Netaji Subhash Chandra Bose Bhawan
सचिवालय
Secretariat
4, सुभाष मार्ग, देहरादून
4, Subhash Marg, Dehradun
Phone: (Off) 0135-2712100
0135-2712200
(fax) 0135-2712500
E-mail: cs-uttarakhand@nic.in

संदेश

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन 06 दिसम्बर 2021 को अपना स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। इस अवसर पर अपार हर्ष के साथ होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

इस संगठन का आविर्भाव चीन द्वारा भारत पर किये गये आक्रमण के उपरान्त हुआ था। इस आविर्भाव से होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा के सदस्य राष्ट्रीय एकता एवं अनुशासन के प्रतीक, राष्ट्रीय भावना से ओत–प्रोत रहते हुए अहर्निष प्रदेश की सेवा में निरन्तर रत है तथा अपने–अपने स्तर पर कर्त्तव्यों का सफल निर्वहन कर रहें हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि जैसे संगठन ने अल्प समय में अपनी सार्थकता परिणीत की है उसको संगठन के सभी सदस्य ''**निष्काम सेवा**'' की भावना के साथ भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होगें। पुलिस बलों के सहायक के रूप में यह संगठन प्रदेश में चारधाम यात्रा, कांवण यात्रा, कुम्भ मेला, यातायात व्यवस्था, शान्ति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। कई ऐसे अवसर भी आए है जब संगठन के स्वयं सेवकों द्वारा दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपने प्राणों का उत्सर्ग भी किया गया है। संगठन अपने प्रशंसनीय तथा उत्कृष्ट कार्यों से सफलता के नए आयाम भी स्थापित करेगा।

इस पुनीत अवसर पर स्मारिका में प्रकाशित सामग्री विभाग एवं जनमानस के लिये प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी।

(डॉ0 सुखबीर सिंह सन्धु)
मुख्य सचिव।

आनन्द वर्द्धन, आई.ए.एस.
अपर मुख्य सचिव

उत्तराखण्ड शासन

गृह, कारागार एवं होमगार्ड्स विभाग
पत्रांक–65 / नि0स0–प्रस0 / 2021
देहरादून : दिनांक–25 / 11 / 2021
दूरभाष–0135–2712802, 0135–2712096 (फैक्स)
E-mail: secy-for-ua@nic.in

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन आगामी 06 दिसम्बर को अपना स्थापना दिवस आयोजित कर रहा है।

निष्काम सेवा की भवना से ओत प्रोत होकर इस संगठन के सदस्य सदैव राष्ट्रीय कार्यक्रमों के संचालन एवं आपदाओं से निपटने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कर्त्तव्यनिष्ठ कार्यों के फलस्वरूप यह संगठन नित नई लोकप्रियता एवं सफलता की ऊँचाई को छू रहा है तथा होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन ने अपने ध्येय वाक्य क्रमशः ''**निष्काम सेवा**'' एवं ''**सर्व भूते हिते रतः**'' को सर्वोपरि मानते हुए देश और प्रदेश की सेवा में अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत किया है।होमगार्ड्स के जवान कठिनतम् परिस्थितियों में भी अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान कर रहें हैं। शासन द्वारा अपेक्षा किए जाने पर यह संगठन चारधाम यात्रा, कांवड़ यात्रा, कुम्भ मेला, यातायात व्यवस्था, शान्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में सदैव पुलिस बलों को सहयोगी बल के रूप में अपना योगदान प्रस्तुत करता है।

इस पुनीत अवसर के आयोजन एवं स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु इस संगठन के सभी सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

25/11/21

आनन्द वर्द्धन

रंजीत कुमार सिन्हा
आई.ए.एस.

उत्तराखण्ड शासन

सचिव
गृह, परिवहन एवं पुनर्गठन
उत्तराखण्ड शासन
04, सुभाष मार्ग, देहरादून
टेलीफोन: 0135-2659850
ई-मेल : ranjitksinha@gmail.com

अर्द्ध.शा.पत्र.सं. 398/नवम्बर/2021
दिनांक...........................

संदेश

मुझे यह जानकर अपार हर्ष हो रहा है कि उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा 06 दिसम्बर 2020 को अपनी स्थापना की वर्षगांठ पर ''होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा दिवस'' का आयोजन किया जा रहा है तथा इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

यह संगठन अनुशासन प्रिय कर्तव्यपरायण के प्रति उत्प्रेरित रहते हुये अपने मूल गुण ''**निष्काम सेवा**'' के लिये आसन्न एवं समयमान होकर सदैव तत्पर रहा है।

होमगार्ड्स संगठन कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस एवं प्रशासन के साथ कार्य कर रहा है। चारधाम यात्रा, कुम्भ मेला, यातायात व्यवस्था के संचालन में महिला व पुरूष जवानों द्वारा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। कोरोना महामारी के समय स्वयं सेवक कोरोना योद्धाओं की तरह कार्य कर रहे है, जो प्रशंसनीय है।

मैं स्थापना दिवस के अवसर पर विभाग के समस्त सदस्यों को बधाई देते हुये कार्यक्रम की सफलता के लिये हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

भवनिष्ठ,

रंजीत कुमार सिन्हा

ताज हसन, भा.पु.से.
महानिदेशक

सत्यमेव जयते

Fire Service | Civil Defence | Home Guards

अग्नि सेवा, नागरिक सुरक्षा एवं गृह रक्षक
गृह मंत्रालय, भारत सरकार
पूर्वी खण्ड-VII, तल-7, आर.के. पुरम
नई दिल्ली-110066
दूरभाष: 011-26712851/26715303
Fire Services, Civil Defence & Homeguards
Ministry of Home affairs, Govt. of India
East Block-VII, Level-7, R.K. Puram
New Delhi-110066
Phone: 011-26712851/26715303
Email: dgfscdhg@gmail.com
dg@dgfscdhg.gov.in

DO No VI-32012/2/2015-DGCD (HG) — Dated; November, 2021

Message

I am happy to know that the Civil Defence and Home Guards Organizations are celebrating their 59th Annual Day on 6th December, 2021

The Civil fence Organization has, over the years, rendered valuable service inthe spirit of voluntarism in a variety of different emergent situations and disasters, etc.Keeping in view the multifarious challenges facing the society and nation, there isconsiderable scope to further harness the potential of this important organization, and,steps are underway towards this end.

The Home Guards Organization has for long been rendering valuable support inthe spheres of maintenance of law and order and security including performance ofvariety of duties and tasks during important events and occasions like election, majorfairs and festivals, etc Even here, we need to see how the potential of the organizationand its members can be still more meaningfully utilized.

On the occasion of their Annual Day I extend to the members of both the organizations, greetings and best wishes, and hope that they will work with renewed dedication to further their tradition and upholding the motto of "Selfless Service" to the nation and society.

26/XI/2021

(Taj Hassan)

अजय रौतेला
आई.पी.एस.

कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड्स एवं
निदेशक नागरिक सुरक्षा
फोनः 0135-2784471

संदेश

आजादी के 75वें वर्ष पर होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के लिये होमगार्ड्स स्थापना दिवस के अवसर पर मुझे अत्यंत हर्ष एवं गर्व की अनुभूति हो रही है। इस शुभ अवसर पर समस्त होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन को मेरी हार्दिक शुभकामनायें। होमगार्ड्स संगठन ''**निष्काम सेवा**'' व ''**सर्व भूत हिते रतः**'' की भावना से देश व प्रदेश की सेवा हेतु सजग व तत्पर है।

विगत 20 वर्षों में इन संगठनों ने शांति व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाये रखने में पुलिस बलों को सहयोग प्रदान किया है वहीं विभिन्न प्रकृतिक आपदाओं, मेलों, चुनावों, जनसेवा साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका भी सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। संगठन के कई स्वय सेवकों ने कार्यवेदी पर अपने प्राणों का उत्सर्ग किया है, ऐसे स्वयंसेवकों को मैं सहृदय श्रद्धांजलि देता हूँ।

नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों द्वारा लॉकडाउन के दौरान राशन सामग्री का वितरण एवं कई सामाजिक कार्यों जैसे वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत अभियान को सम्पादित किया गया। इस वर्ष कोरोना महामारी के द्वितीय लहर के फैलने पर होमगार्ड्स स्वयं सेवकों द्वारा लॉकडाउन को सफल बनाने के लिये महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्वारनटाईन केन्द्रों पर ड्यूटी तथा कोरोना के विरूद्ध जन जागरूकता फैलाने के महत्वपूर्ण कार्य किये। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित रैतिक परेड तथा इससे सम्बन्धित कार्यक्रमों की भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी जिससे स्वयं सेवकों में उत्साह एवं मनोबल में वृद्धि हुयी।

इस वर्ष होमगार्ड्स स्वयं सेवकों द्वारा कोरोना महामारी की चुनौतियों के बावजूद हरिद्वार में महाकुम्भ मेला, कांवड़ मेला एवं अन्य मेलों, चारधाम यात्रा तथा सल्ट विधानसभा उपचुनाव को निर्विघ्न, स्वच्छ एवं सुरक्षित सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शासन तथा प्रशासन का इस संगठन के प्रति विश्वास बढ़ने के कारण नये दायित्वों को भी दिया जा रहा है। शासन तथा जनमानस का विश्वास प्राप्त करने में संगठन सफल हुआ है। संगठन निरन्तर प्रयासरत है कि अपनी उपलब्धियों से नये आयाम प्राप्त करने, संचरित करने में सफल होगा।

इस पावन अवसर पर मैं संगठन के सभी सदस्यों को शुभकामनायें देता हूँ तथा राज्य की चहुँओर प्रगति के सहभागी बनने, प्रगति के मार्ग को प्रशस्त करने हेतु मैं सभी सदस्यों का आह्वान करता हूँ।

अजय रौतेला

राजीव बलोनी
डिप्टी कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड्स

संपादक की कलम से

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा के स्थापना दिवस पर प्रकाशित वार्षिक स्मारिका पत्रिका आपके समक्ष एक नवीन आवरण में प्रस्तुत है। इस अंक में होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा के सदस्यों की स्वरचित रचनायें, आलेख, कवितायें एवं संस्मरण प्रकाशित किये गये हैं। स्मारिका में संगठन के कार्यकलापों, उपलब्धियों एवं संगठनात्मक ढांचे के अन्तर्गत किये गये कुछ ऐसे कार्यों की झलक प्रस्तुत है जो सीमित संसाधनों के अन्तर्गत विभाग द्वारा वर्षानुवर्ष किये गये है। स्वयंसेवक तथा संगठन जटिलताओं का सामना करते हुए किस प्रकार प्रगति के सोपान पर अग्रसर है यह स्मारिका उसके कथानक के रूप में प्रस्तुत है।

स्मारिका के प्रकाशन का उद्देश्य विभाग के सदस्यों को विचारो के आदान–प्रदान करने हेतु एक मंच उपलब्ध कराना है। सदस्यों की असाधारण सोच तथा गुणात्मकता ने सृजित रचनाओं के संकलन की स्थिति को इन्द्रधनुषीय स्वरूप प्रदान किया है जो आने वाले वर्षों में विभागीय सूचनाओं तथा जानकारियों के लिये अपने नये आयाम में सदैव पल्लवित होती रहेगी। उनके सद्प्रयासों ने ही स्मारिका के इस स्वरूप को जन्म दिया है।

मैं स्मारिका 2021 के प्रकाशन में सहायता प्रदान करने वाले उन सभी जनों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होनें अत्यन्त अल्प अवधि में रचनाओं के संकलन के कार्य को पूर्ण करते हुए इसे प्रकाशित कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अजय रौतेला

आई.पी.एस.

कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड्स एवं
निदेशक नागरिक सुरक्षा
फोन: 0135–2784471

उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन उन्नति के पथ पर

''निष्काम सेवा'' एवं ''सर्व भूत हिते रतः'' को सर्वोपरि मानने के साथ राष्ट्र सेवा में तत्पर उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन अपना स्थापना दिवस विभिन्न कीर्तिमानों के साथ 06 दिसम्बर 2021 को पूर्ण करने जा रहा है। होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन एक स्वयं सेवी संगठन है जिनका आदर्श 'निष्काम सेवा' एवं आधार ''राष्ट्रप्रेम'' है। निष्काम सेवा एवं राष्ट्रप्रेम शब्दों के उद्‌बोधन से एक नैतिक दायित्व ने जन्म लेकर समरसता के भाव को विस्तार दिया।

उत्तराखण्ड होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन का कानून व्यवस्था को सदृढ़ करने, दैवीय आपदाओं एवं आपातकालीन परिस्थितियों में सौपें गये दायित्वों का निर्वहन करने, चारधाम यात्रा को सकुशल सम्पादित करने, राज्य में आयोजित विभिन्न मेलों को सकुशल सम्पन्न कराने तथा कोविड–19 महामारी, निर्वाचन ड्यूटी को पूर्ण लगन एवं निष्ठा से सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

नागरिक सुरक्षा

नागरिक सुरक्षा (Civil Defence) अर्थात् एक आदमी को सुरक्षा व्यवस्था सम्भालने की जिम्मेदारी देना! दरअसल, इसका गठन बाह्य युद्ध के समय देश की आन्तरिक व्यवस्था में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो वह नागरिकों का मनोबल बना रहे इस उद्‌देश्य से किया गया है। भारत सरकार द्वारा 1962 में चीन आक्रमण के पश्चात नागरिक सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन के लिए नागरिक सुरक्षा संगठन की स्थापना देश तथा प्रदेश के सामरिक महत्व के नगरों में की गई। चूंकि हवाई आक्रमण से प्रभावित जन–धन की सुरक्षा उक्त उद्‌देश्यों के मूल में निहित है, अतः शासकीय पदाधिकारियों के साथ–साथ विभाग में नागरिकों की सहभागिता को अत्यन्त महत्व देते हुए इसे संगठन का स्वरूप प्रदान किया गया। **''नागरिक सुरक्षा अधिनियम, 1968'' लागू है।**

नागरिक सुरक्षा के मुख्य कार्य जन–धन की हानि को कम करना, उत्पादन बनाए रखना तथा जनता के मनोबल को बनाए रखना। नागरिक सुरक्षा उपायों के परिचालन के लिए भारत सरकार के निर्देशानुसार 12 सेवाओं का गठन किया गया है–

1. मुख्यालय सेवा, 2. संचार सेवा, 3. वार्डेन सेवा, 4. हताहत सेवा, 5. अग्निशमन सेवा,
6. प्रशिक्षण सेवा, 7. बचाव सेवा, 8. कल्याण सेवा, 9. पूर्ति सेवा, 10 शव निस्तारण सेवा
इनमें से 2 सेवायें समाप्त की जा चुकी हैं।

वर्ष भर होमगार्ड्स संगठन की उपलब्धियां

– कर्त्तव्य निर्वहन की अविरल कड़ी में होमगार्ड्स संगठन की उपयोगिता निरन्तर बढ़ती जा रही है। होमगार्ड्स को विभिन्न चुनावों, मेलों, त्यौहारो, कुम्भ, वनाग्निशमन, यातायात शान्ति व्यवस्था, कारागार, रेलवे, कांवड़, चारधाम यात्रा आदि के साथ–साथ अन्य विभागों तथा दूर संचार, परिवहन, जलसंस्थान, भेल (बी.एच.ई.एल.), भारतीय खाद्य निगम, एवं विरासत मेले जैसे महत्पूर्ण स्थानों की सुरक्षा के लिए नियोजित करके ड्यूटियों के नये अवसर उत्पन्न किये गये।

- उत्तराखण्ड राज्य में होमगार्ड्स स्वयं सेवकों की रिक्तियों पर प्रथम चरण में 06 जनपदों (नैनीताल, अल्मोड़ा, चम्पावत, पौड़ी, टिहरी, रूद्रप्रयाग) में 484 होमगार्ड्स तथा द्वितीय चरण में उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर, ऊधम सिंह नगर में 143 होमगार्ड्स स्वयं सेवकों की भर्ती की जा चुकी है। 03 जनपदों में (देहरादून, हरिद्वार, पिथौरागढ़) 299 होमगार्ड्स स्वयं सेवकों की भर्ती प्रक्रिया गतिमान है।
- जनपद ऊधम सिंह नगर के जिला प्रशिक्षण केन्द्र में बैरेक, बाउन्डरी वॉल हेतु रू0 90 लाख से व केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा थानों देहरादून में बैरक निर्माण, बाउन्डरी वॉल मय गेट, भोजनालय, तार–बाड़ हेतु रू0 02 करोड़ 23 लाख से निर्माण कराया गया है।
- जिला कमाण्डेन्ट होमगार्ड्स कार्यालय, हरिद्वार के अनावासीय भवन निर्माण हेतु रू0 02 करोड़ 14 लाख से निर्माण कार्य कराया गया है।
- नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा कोविड–19 में प्रशासन को सहयोग प्रदान किया गया।
- विभाग में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं होमगार्ड्स स्वयं सेवकों का 100 प्रतिशत वैक्सीनेशन कराया गया है।
- कल्याण कोष में लम्बित प्रकरणों के निस्तारण हेतु शासन से कल्याण कोश में उपलब्ध धनराशि में से रू0 3.27 करोड़ व्यय करने की अनुमति प्रदान की गयी है।

संगठन की योजनाएं–

- होमगार्ड्स की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव हेतु प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।
- होमगार्ड्स विभाग की नियमावलियों को संशोधन करने का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है।
- मिनिस्ट्रीयल संवर्ग में 1984 से नियतन में बढ़ोत्तरी न होने तथा कार्यो की अधिकता के दृष्टिगत 24 कनिष्ठ सहायकों के पद स्वीकृत किये जाने का प्रस्ताव शासन को प्रेशित किया गया है।
- जिला होमगार्ड्स कार्यालय, देहरादून के लिये भूमि आंवटित कराने के उपरान्त निर्माण हेतु शासन को प्रस्ताव भेजा गया है।
- 06 जनपदों क्रमशः अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, पिथौरागढ, रूद्रप्रयाग एवं हरिद्वार में नागरिक सुरक्षा की नई इकाई स्थापित किये जाने हेतु कार्मिकों के पद स्वीकृत किये जाने का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है।

यह अत्यन्त संतोष का विषय है कि अल्पसमय में ही इन दोनों संगठनो ने शासन तथा जनमानस का विश्वास अर्जित करने में सफलता प्राप्त की है। मेरा विश्वास है कि शीघ्र ही यह दोनो संगठन अपनी उपलब्धियों से एक नया आयाम स्थापित करने में सफल होंगे। स्थापना दिवस 6 दिसम्बर 2021 के अवसर पर मैं होमगार्ड्स संगठन के समस्त वैतनिक/अवैतनिक अधिकारियों/कर्मचारियों तथा होमगार्ड्स स्वंयसेवकों को अनुशासन, निष्ठा, समर्पण तथा प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान करता हूँ तथा संगठन के सभी सदस्यों कों अपनी शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

While in the hills...

Ekta Uniyal
AD, LBSNAA Mussoorie/
Sr. Staff Officer Homeguards

A walking tour is the best way of enjoying the hills, of being with them, of nurturing them and above all of making them our best friends forever. One can watch landscapes in many ways, with watching from a moving railway train being the most vivid and exciting. However that being a remote possibility in the hills , a walking tour becomes not only imperative but also an accessory, for then one not only enjoys the picturesque glory of the hills but also imbibes in one a sense of adventure, a will to enquire, a spirit of hope and a jolly humor. And when one has walked for a longer time- say a trek from morning to the evening- one can then put off one's knapsack, hang one's boots and recline to the peaceful rest and spiritual replenishments.

Alas! Only a few can understand and participate in these little joys of being with the hills, for, either they would be lounging on recliners or drinking their wine in crystal cut glasses or there would still be a few who would be climbing at five miles an hour! Only to get tired and huff and puff their way to extreme moroseness leading to cursing the steepness and the rarefied air for their discomfiture. Hills are for those who seek the pleasure of the climb without seeking a reward, where pleasure leads to more pleasure and the chain never ends. It is this which only a few understand and fewer practice. The over-walker is certainly not for the hills and he will soon be disenchanted- as the proverb goes-who goes further fares worse.

Now if one seeks pleasure from a walk in the hills one is recommended to undertake it alone and not turn it into a picnic of sorts by taking along a bunch of your friends, after all it is freedom you are seeking and going with anybody else shall jeopardize the very essence of freedom; for you should be free to walk or stop, to take a turn where you wish to, to sit on a stone or soft earth whenever you feel like , to inhale the fresh mountain air, to be quiet and avoid walking with talking. You would then be like the empiricist and let your thoughts take the color of what you see and feel. There should be a meditative silence only to be broken by the chirping of the mountain birds and the humming of the springy insects.The intoxication of the hills should silently seep into your being, forcing you to surrender your reasoning abilities for the 'profound and the ethereal'.

The hills have the knack of sucking out one's anxieties and worries. One becomes wordless in the lap of the nature and the mind is numbed into submission and one is overwhelmed with a disdain for the ordinary and is enchanted with the glory of the extra-ordinary. The epiphany is complete!

On Hazlitt's own confession, from his essay 'On going a journey', which is a compulsory read for those seeking the mountains- 'Give me the clear blue sky over my head,' he wrote. 'And the green turf beneath my feet, a winding road before me, and a three hour's march to dinner- and then to thinking! It is hard if I cannot start some game on those lone health. I laugh, I run, I leap, I sing for joy.'

Seasons are like a chimera, or a magic of sorts when it comes to the hills. After the brooding rains and an opaque fog that engulfs the hills like an embryonic sheath, keeping one indoors for most of the time, only to become a spectator of the unfolding spectacle of rains and clouds, lightning and thunder, autumn beckons and suddenlythere is an overbearing silence which hangs over the hills and the streams and the pale skies and is carried by a lazy wind. The blithe glow that the hills emerge from is like halo across the skies. Everything is a new born child; trees, shrubs, grass, streams, ponds, insects, wishes!

Earth being pretentiously sentimental like a new bride leaving her home to seek, built a new one, like a bird building nests to lay eggs and eager to welcome a new generation.

Now it is a life of outdoors in the sweet scented air, crystal hills and glassy waters with the sky reflecting in them like a blue carpet. One can pluck a blue Hydrangea and hold it across the skies with one eye closed, finding the bluer one. Then there are baby cauliflowers and cabbages, bursting with reluctance

and Peas' climbers with baby peas' fruits without the peas, and large leafy vegetables, growing like a messy shrub. Huge pumpkins, the harvest of the monsoons, rest on the roofs of the houses waiting to ripen into huge fireballs.

One can stand amongst the dahlias, admiring the red, purple and the yellow bursts, a few dew soaked hydrangeas peep like bathed children. And a few monsoon lilies defy the season and rebel in their own way. The hedge is over grown and waiting to be sheared and the trees in dire need of lopping.

Soon there are fall leaves strewn along the pathway; tired, limp brown leaves. More would follow needing a broom and then a fire with scented smoke of pine needles, deodar and fir leaves. It is this season, of all seasons that invites the nature lovers to explore the glory of the hills and take a detour from one's city bred existence and move closer to nature.

The winters come stealthily, calmly, like a stinging serpent with its long, dark nights and the temperature dips. Woolens are out, so is the cackling fire and many a cuppa of steaming tea. One can now reflect on the year gone by and prepare for the new one to make a glorious entrance. Then there is the motherly warmth of the sun and many a hours can just be whiled away sitting under it and munching on bagful of peanuts. How would one pass winters in the hills if there were no sun!

And snow! For before the calendar changes there is the inevitable snow fall, with cottony flakes turning the verdant surrounding into a white glory. When one walks the ground it feels like a velvet and if there is an overnight dew which has frozen, then the crunchy sound echoes in the early morning quietness as one saunters with an ornate walking stick in hand, invariably whistling to keep oneself warm! Ah! What to say of such wonderful scenery, the God having painted it and blessed mankind.

That is then with the hills, they are throbbing specimen of life and its little reflections, of innate vitality and a philosopher's quest for truth, of the unfolding of a drama that nature plays for you and of the sublime understanding of one's self.

I for one am, presently sitting on my window sill, with my feet up, the day's job done and watching the ponies pass by on a gravel path, as their master hums a pahadi song.. '
Bedu pako bara masa. Kafaal paki chaita ,meri chaila..'

The lilting folk song takes me to the summer that is about to knock upon and open new vistas for me to explore, enjoy and perhaps, learn… and admit that my romance with the hills shall never grow archaic, never grow old.

❋ ❋ ❋

अटूट आस्था
महा कुम्भ

गंगा के प्रति श्रद्धा और विश्वास से भरा कुंभ मेला नव वर्ष 2021 आने के साथ ही शुरू हुआ, ग्रहों की चाल की वजह से यह 12 वर्ष की बजाय 11 वर्ष में ही पड़ा। 14 जनवरी को कुंभ मेले का हरिद्वार में शुभारंभ हुआ मेला 48 दिनों तक चला। कुंभ मेले में छह प्रमुख स्नान रहे। कुंभ मेला 2021 का आयोजन 12 साल में न होकर 11 वें साल मे ही हुआ क्योंकि साल 2022 में बृहस्पति कुंभ राशि में नहीं होंगे।

भारत समृद्ध संस्कृति का ऐसा देश है जहां एक से ज्यादा धार्मिक संस्कृति के लोग एक साथ रहते हैं इसलिए यहां धार्मिक यज्ञ मेला आदि समय-समय पर आयोजित होते रहते हैं। कुंभ मेला जो हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है इस उत्सव में करोड़ों श्रद्धालु कुंभ पर्व स्थल हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक में स्नान करते हैं।

ऐसा माना जाता है कि कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और वह जीवन मरण के चक्र से मुक्त हो जाते हैं। कुंभ मेले का इतिहास न्यूनतम 800 साल पुराना है। माना जाता है कि आदि शंकराचार्य ने इसकी शुरुआत की थी लेकिन कुछ कथाओं के अनुसार कुंभ की शुरुआत समुद्र मंथन के आदिकाल से ही हो गई थी। कलश को कुंभ कहा जाता है कुंभ का अर्थ होता है घड़ा। इस पर्व का सम्बन्ध समुद्र मंथन के दौरान अंत में निकले अमृत कलश से जुड़ा है।

शाही स्नान के दिन

गुरूवार, 11 मार्च 2021
महाशिवरात्रि

सोमवार, 12 अप्रैल 2021
सोमवती अमावस्या

बुधवार, 14 अप्रैल 2021
मेष संक्रान्ति और वैशाखी

मंगलवार, 27 अप्रैल 2021
चैत्र माह की पूर्णिमा

प्रमुख स्नान के दिन

गुरूवार, 14 जनवरी 2021-**मकर संक्रान्ति**

गुरूवार, 11 फरवरी 2021-**मौनी आमवस्या**

मंगलवार, 16 फरवरी 2021-**बसंत पंचमी**

शनिवार, 27 फरवरी 2021-**माघ पूर्णिमा**

मंगलवार, 13 अप्रैल 2021-**चैत्र शुक्ल प्रतिपदा**

बुधवार, 21 अप्रैल 2021-**राम नवमी**

2017 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा भारत में आयोजित इस मेले को "इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज आफ यूनिटी" लिस्ट में शामिल किया है। कोविड-19 के संक्रमण के दृष्टिगत हरिद्वार जनपद में कुंभ मेले का आयोजन पूर्ण रूप से सुरक्षित किये जाने हेतु कोविड-19 का पालन करना अनिवार्य किया गया, इसमें विभिन्न राज्य से आने वाले श्रद्धालुओं को कुंभ मेला वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया तथा 72 घंटे पूर्व की कोविड आरटी-पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट को मान्य किया गया। मेला क्षेत्र के अंदर पड़ने वाले आश्रम होटल्स पार्किंग स्थल, अस्पताल, जवानों की कैंपिंग साइट्स पर कोरोना एप्रोप्रियेट बिहेवियर पालन करने हेतु राज्य सरकार द्वारा गाइडलाइंस जारी की गई।

महा कुंभ मेला 2021 को सकुशल संपन्न कराने हेतु उत्तराखंड शासन द्वारा उत्तराखंड राज्य के कुल 3250 होमगार्ड स्वयं सेवकों को ड्यूटी पर योजित की जाने की अनुमति प्रदान की गई थी। होमगाड्र्स स्वयं सेवकों को छह चरणों में योजित किया गया। माह अक्टूबर 2020 से ही होमगार्ड्स स्वयं सेवकों को विभिन्न ड्यूटीयों में योजित किया गया। प्रारंभ में होमगार्ड स्वयं सेवकों की ड्यूटी पांच चरणों में लगाई गई थी, जिसमें माह अक्टूबर से माह दिसंबर 2020 तक 300 जवानों की ड्यूटी लगाई गई। माह जनवरी से माह फरवरी तक 55 दिनों में 1000 स्वयं सेवकों की ड्यूटी लगाई गई तथा माह फरवरी से माह अप्रैल तक 65 दिवसों के लिए 1950 होमगार्ड्स स्वयं सेवकों की ड्यूटी लगाई गई।

1.	17.10.2020 से 30.04.2021 तक	100
2.	01.11.2020 से 30.04.2021 तक	100
3.	01.12.2020 से 30.04.2021 तक	100
4.	01.01.2021 से 30.04.2021 तक	1000
5.	06.03.2021 से 30.04.2021 तक	950
6.	30.03.2021 से 30.04.2021 तक	1000
	योग	3250

उत्तराखण्ड शासन द्वारा कुम्भ मेले को शान्ति पूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से आयोजित करने हेतु मेला अधिकारी श्री दीपक रावत तथा पुलिस महानिरीक्षक कुम्भ मेला श्री संजय गुंज्याल को नियुक्त किया गया। श्री राहुल सचान, जिला कमाण्डेन्ट, होमगार्ड्स को विभागीय होमगार्ड्स, नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

उत्तराखंड शासन ने कुंभ मेला के सफल आयोजन हेतु होमगार्ड्स

का संगम 2021

सुंदर स्वच्छ सुरक्षित

विभाग को कुल 18 करोड़ 73 लाख 50 हजार की धनराशि आवंटित की गई। मुख्यालय स्तर से कमांडेंट जनरल महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी होमगार्ड्स स्वयं सेवकों को जनपद वार, चरण वार ड्यूटी लगाए जाने हेतु कुंभ मेला में भेजे जाने वाले होमगार्ड्स की सूची समय से संबंधित अधिकारियों को भेजेंगे एवं होमगार्ड्स के व्यवस्थापन हेतु टेंट आदि की व्यवस्था मेला अधिकारी तथा पुलिस महा निरीक्षक कुंभ मेला 2021 के टेंडर के अनुसार ही कार्यवाही की जाएगी। इस संबंध में निर्देशित किया गया कि कुंभ मेला में होमगार्ड्स ड्यूटी में चुस्त-दुरुस्त होमगार्ड्स, अनुशासित नए भर्ती हुए होमगार्ड्स ड्यूटी पर योजित किये जाएं। होमगार्ड्स के एकत्रीकरण उनके कुंभ मेला स्थल तक पहुंचने आदि की व्यवस्था की जाए उनके पास परिचय पत्र होना अनिवार्य किया गया था। होमगार्ड्स स्वयं सेवकों की आवासीय एवं चिकित्सा व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, उनकी आमद एवं रवानगी, परिवहन व्यवस्था तथा वाहनों की व्यवस्था तथा लेखा एवं ड्यूटी संबंधी भुगतान अलग से रजिस्टर बनाकर समय से पूर्ण किये गए।

जनपद हरिद्वार में गत कुंभ मेला 2010 में कुल 32 सेक्टर बनाए गए थे, वर्तमान में भी 32 सेक्टर ही रखे गए थे किंतु कोविड-19 की परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए एक्टिव सेक्टर के अनुसार मेला क्षेत्र के मात्र 23 सेक्टरों में ही प्रस्तावित किया गया।

कुंभ मेला ड्यूटी में होमगार्ड विभाग में नवनियुक्त 2 जिला कमांडेंट होमगार्ड्स को प्रशिक्षण कार्य आदि को सीखने हेतु कुंभ मेला ड्यूटी हेतु दिनांक 12 मार्च से 16 अप्रैल 2021 तक योजित किया गया। कुंभ मेले के आयोजन के दौरान होमगार्ड्स विभाग के कुल 35 अधिकारी एवं कार्मिक योजित किये गये।

कुम्भ मेले में कोविड-19 संक्रमण के दौरान भी होमगार्ड्स स्वयं सेवकों द्वारा यातायात प्रबन्धन, भीड़ नियन्त्रण, तथा श्रद्धालुओं की सहायता करने में सक्रिय एवं सकारात्मक योगदान दिया गया। होमागार्ड्स स्वयं सेवकों की आवासीय, आमद एवं रवानगी स्थल हरिद्वार, देहरादून के चार स्थलों पर बनायें गये थे। जिसमें से तीन स्थल होमगार्ड्स लाईन लालजी वाला, बैरागी सती द्वीप नया टापू, रानीपुर (बी.एच.ई.एल) जनपद हरिद्वार तथा एक स्थल ऋषिकेश में बनाये गये।

होमगार्ड्स स्वंय सेवकों द्वारा पुलिस तथा प्रशासन के निर्देशन में कोविड-19 के दिशा निर्देशों के अधीन रहकर यातायात नियन्त्रण, भीड़ नियंत्रण एवं शान्ति व्यवस्था बनायें रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया एवं परस्पर सामन्जस्य बनाकर विषम परिस्थितियों का सामना करने से पूर्व जन जागरूकता एवं जन सहभागिता निश्चित करने का प्रयास किया गया। मुख्य शाही स्नानों में होमगार्ड्स स्वयं सेवकों द्वारा रस्से के माध्यम से भीड़ के प्रभावी नियन्त्रण हेतु महत्वपूर्ण डयूटियों का निर्वहन किया। **कुम्भ मेले के दौरान होमगार्ड्स संगठन के दो जवानों श्री बृजेश कुमार पुत्र श्री सूरबीर, रूद्रप्रयाग की दिनांक 17-01-2021 तथा श्री धीरज सिंह पुत्र श्री रामदयाल, पौड़ी गढ़वाल की दिनांक 01-02-2021 को दुर्घटना में मृत्यु होने से विभाग को गम्भीर क्षति हुई है।**

कुम्भ मेले में होमगार्ड्स स्वयं सेवकों द्वारा की गई डयूटियों से होमगार्ड्स विभाग की छवि में वृद्धि हुई जिसकी सभी ओर प्रशंसा की गई यह कुम्भ मेले में तैनात होमगार्ड्स संगठन के कर्तव्य परायणता, अनुशासन तथा सामूहिक कार्य को परिलक्षित करती है।

❋ ❋ ❋

''भारत के गुमनाम कोरोना योद्धा''
(The Unsung Corona Warriors of India)

गौतम कुमार
मण्डलीय कमाण्डेन्ट
गढ़वाल मण्डल

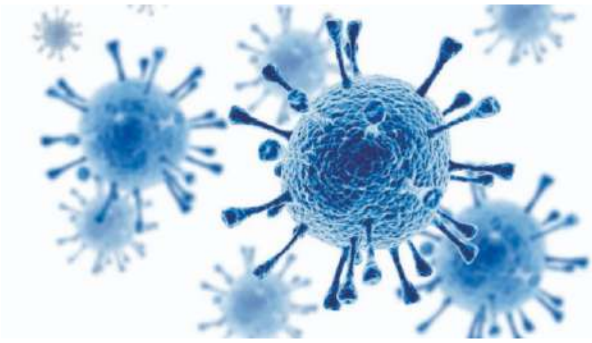

वर्ष 2019 के अंत में एक विचित्र वायरस ने चीन में दस्तक दी और धीरे–धीरे पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लिया अब कोरोना वायरस (COVID 19) एक वैश्विक महामारी का रूप ले चुका था यूरोप, अमेरिका व एशिया के बड़े–बड़े देशों सहित भारत जैसी विशाल जनसंख्या व अल्प संसाधन वाले राष्ट्र के लिए यह महामारी एक बहुत बडी चुनौती साबित होने वाली थी । विश्व की सरकारों द्वारा कोविड 19 वायरस के संक्रमण को रोकने के प्रभावी शुरूआती उपचार के रूप में ''लॉकडाउन'' को चुना गया जिसके क्रम में भारत सहित कई देशों में लॉकडाउन लगाने का कठिन दौर प्रारम्भ हो गया । अन्य देशों के विपरीत भारत जैसे बहुसंख्यक राष्ट्र में लॉकडाउन जैसी व्यवस्था को सफल बनाना एक बहुत बडी चुनौती था । लॉकडाउन के दौरान लोगों को घरों में सुरक्षित रखने के साथ–साथ देश की जनता को खाद्य, दवा एवं अन्य आवश्यक सामग्री की अपूर्ति सुचारू रूप से रखने के लिए एक सदृढ प्रशासनिक श्रंखला की आवश्यकता थी इस श्रंखला की एक महत्वपूर्ण कडी के रूप में ''होमगार्ड्स स्वयं–सेवक'' उभरकर सामने आये हैं जिन्होंने पुलिस एवं प्रशासन के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर कोरोना महामारी के विरूद्ध लॉकडाउन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया । लॉकडाउन के दौरान होमगार्ड्स जवानों ने अपने कार्यो से इस संगठन के मूल वाक्य **''निष्काम सेवा''** को सार्थक किया है। संगठन की महत्ता को पहचानकर ही भारत सरकार ने इस संगठन को फ्रंट लाईन वारियर मानते हुए कोरोना गाईडलाईन के अन्तर्गत लॉकडाउन में 24 घण्टे कार्य करने वाले संगठन के समूह में शामिल किया ।

''कोरोना के विरुद्ध डटे हैं, वो है मेरे वीर जवान ।
मानव जीवन संकट में है बचा रहे हैं सबकी जान ।
आओ इन पर गर्व करें और दें इनको पूरा सम्मान ।
वन्दनीय हैं सब मातायें, जिनकी ऐसी वीर सन्तान ।
इन वीरों का रखना ध्यान, इनको हो न कोई नुकसान ।
ये हैं सच्चे संकटमोचक, आप धन्य है मानव के भगवान।
आओ इनको नमन करें हम, संकट से यह करे निदान ।
कोरोना के विरूद्ध डटे हैं, वे हैं मेरे वीर जवान ।''

लॉकडाउन में हमारे जवानों ने भी पूर्ण निष्ठा से दिन–रात अपने घर से दूर रहकर अपनी सेवाऐं दी चाहे वह कंटेनमेन्ट जोन में कोरोना गाईडलाईन का पालन कराना हो, राज्य की सीमा व आंतरिक चैक पोस्ट पर नाकाबंदी ड्यूटी हो, कोविड केयर केन्द्रों में सुरक्षा व्यवस्था बनानी हो , वेक्सिनेशन/सैम्पलिंग बूथ में शान्ति व्यवस्था कायम रखना हो, डैडीकेटीड कोरोना सेल में कोरोना पोजिटव कैदियों को नजरबन्द रखने के साथ ही कंटेनमेन्ट जोन में जनता को खाद्य, दवा एवं अन्य महत्वपूर्ण सामग्री को उपलब्ध कराना हो इन सभी दायित्वों का हमारे होमगार्ड्स जवानों ने पूर्ण निष्ठा से निर्वहन किया है । इसमें महिला होमगार्ड स्वयं–सेवक का योगदान पुरूष होमगार्ड स्वयं–सेवकों के समान ही रहा है ।

''गरीबों के प्रबन्धन में लगे, दिन रात रहते हैं
भूखे पेट न सोयें कोई, वे यह पूरा ख्याल रखते हैं।
घर अपना त्याग जो अक्सर दूसरों के लिए जीतें हैं।
असल में देश के सच्चे, यही हमारे वीर योद्धा हैं ।
सहारा बेसहारों को दें, उसकी रक्षा करते हैं ।
जिसके रहते परिन्दा भी कभी पर मार न सके ।
सच्चे नायक हमारे राष्ट्र के वो वीर योद्धा हैं ।''

उत्तराखण्ड जैसे पहाड़ी राज्य में लॉकडाउन के दौरान बाहरी राज्यों मे काम कर रहे उत्तराखण्ड के प्रवासियों की वापसी से इस पहाड़ी राज्य में कोरोना के संक्रमण का खतरा बढ़ गया ऐसे में पहाड़ी जिलों में भी कोरोना संक्रमण के मामलों में वृद्धि होने लगी । उत्तराखण्ड सरकार ने इस गम्भीर स्थिति को भांपते हुए पहाडी जिलों में कडे लॉकडाउन का पालन कराने हेतु प्रशासन को निर्देशित किया जिसके क्रम में होमगार्ड संगठन द्वारा इन पहाडी जिलों में भी अपनी महत्ता साबित करते हुए महत्वपूर्ण सेवाऐं दी तथा इस विकट परिस्थिति में संकटमोचक बनकर उभरे यथा–चमोली जनपद में तैनात होमगार्ड्स जवान प्रदीप बिष्ट द्वारा कोविड केयर सैन्टर पीपलकोटी में क्वारन्टिन लोगों को योगा के माध्यम से अवसाद से दूर रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जिसके लिए उन्हें तत्कालीन जिलाधिकारी श्रीमती स्वाती भदौरिया द्वारा पुरस्कृत भी किया गया । पौडी जिले के कोटद्वार ब्लॉक के प्लाटून सार्जेन्ट श्री नरेश द्वारा एवं होमगार्ड्स स्वयं–सेवकों के द्वारा कोटद्वार ब्लॉक के गरीब परिवारों को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के माध्यम से फ्री फूड किट का वितरण किया गया ऐसे कई और उदाहरण हैं जिसने इस संगठन की महत्ता को उजागर किया है चाहे वो महाकुम्भ 2021 में तीर्थ यात्रियों को कोरोना नियमों का पालन कराना हों, चारधाम यात्रा में यात्रियों की आवाजाही को व्यवस्थित करने में सहयोग करना हो इन सभी दायित्वों का निर्वहन संगठन के जवानों द्वारा पूर्ण मनोयोग से किया गया । इस कर्तव्य निर्वहन के क्रम में कई होमगार्ड स्वयं सेवकों को भी इस महामारी से पीडित होना पडा उत्तराखण्ड राज्य के लगभग 250 होमगार्ड स्वयं–सेवक भी इस कोरोना महामारी से पीडित हुए परन्तु सौभाग्यवश कोई जनहानि नही हुयी ।

वर्तमान में कोरोना का खतरा कम हो गया है परन्तु होमगार्ड संगठन की रीढ़ कहे जाने वाले हमारे स्वयं–सेवक अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुंए संगठन के मूल वाक्य **''निष्काम सेवा''** को सार्थक करने में निरन्तर प्रयासरत हैं ।

''राह संघर्ष की जो चलता है ।
वो ही संसार को बदलता है ।
जिसने रातों से है जंग जीती ।
सुबह सूर्य बनकर वही चमकता है ।''

–: प्रशस्ति :–

(कोरोना वारियर्स उत्तराखण्ड होमगार्ड्स)

जनपद चमोली	हो0गा0 1002 पी0एस0 पुष्कर सिंह, 1031 प्रदीप सिंह, 1202 शेलेन्द्र सिंह,1254 कुंवर सिंह, 1298 जगदीश प्रसाद, 1581 रोशनलाल
जनपद पौडी	हो0गा0 1607 राहुल, पी0एस0 राजकमल सिंह
जनपद रूद्रप्रयाग	हो0गा0 1254 अनिल कुमार
जनपद उत्तरकाशी	हो0गा0 1247 जयपाल, 1161 मदनलाल
जनपद टिहरी	हो0गा0 1024 राजेन्द्र सिंह पुण्डीर, 1018 ऋषिपाल सिंह पुण्डीर 1005 विजय सिंह नेगी, 1044 मंगल सिंह नेगी, 1100 गजेन्द्र सिंह पुण्डीर, 1063 विजय कुमार, पी0एस0 विनोद जोशी, राकेश जोशी 1056 गब्बर सिंह, 1009 रमेश चन्द्र
जनपद हरिद्वार	हो0गा0 2179 श्रीमती पूनम सिद्धार्थ, 2199 श्रीमती पूनम , 2166 श्रीमती सुनीता, 2207 श्रीमती उमा, 2227 श्रीमती कल्पना
जनपद देहरादून	हो0गा0 1750 रविन्द्र पासी, लक्ष्मी सेमवाल, चन्द्रपाल सिंह, 1553 पूनम द्विवेदी
जनपद नैनीताल	हो0गा0 2622 भुवनचन्द्र, 2657 श्यामसुन्दर, राहुल देव, आमिर अहमद गीता पाण्डेय, सरोज बिष्ट,
जनपद उधम सिंहनगर	हो0गा0 रवि विश्वकर्मा, निर्मल सिंह
जनपद अल्मोडा	हो0गा0 पंकज गिरी
जनपद बागेश्वर	हो0गा0 1681 मोहन राम, 1673 गणेश राम
जनपद चम्पावत	हो0गा0 2228 सार्की, 2225 मदनमोहन सिंह, 2373, सुरेशराम
जनपद पिथौरागढ	हो0गा0 1246 मोहनराम

इत्यादि ....

✵✵✵

होमगार्ड्स ट्रेनिंग
वर्ष 2021-2022

होमगार्ड्स स्वंय सेवकों की भर्ती के द्वितीय चरण में उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर, ऊधम सिंह नगर में 143 होमगार्ड्स स्वयं सेवकों की भर्ती की जा चुकी है। 03 जनपदों में (देहरादून, हरिद्वार, पिथौरागढ़) 299 होमगार्ड्स स्वयं सेवकों की भर्ती प्रक्रिया गतिमान है। जनपद उधम सिंह नगर में बागेश्वर एवं उधम सिंह नगर के ग्रामीण होमगार्ड्स स्वयं सेवकों के 42 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

❋ ❋ ❋

दिव्य कुम्भ एवं भव्य कुम्भ के सफल आयोजन में होमगार्ड्स की सार्थक भूमिका

राहुल सचान
स्टाफ ऑफिसर/
नोडल अधिकारी कुम्भ मेला

कुम्भ मेला के अवसर पर देश–विदेश से श्रद्वालु जन, साधु–सन्त, नागा सन्यासी, अखाड़ों का संगम होता है। कुम्भ पर्व भारतीय संस्कृति, सद्विचारों, सद्प्रवृत्तियों को समाज में स्थापित करने का पर्व है कुम्भ क्रमशः देश के चार स्थान हरिद्वार, प्रयाग, नासिक और उज्जैन में आयोजित होता है। उत्तराखण्ड के चारों धामों, यमनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ एंव बद्रीनाथ के लिए प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्व हरिद्वार में ज्योतिष गणना के आधार पर ग्रह नक्षत्रों के विशेष स्थितियों में हर बारहवें वर्ष कुम्भ के मेले का आयोजन किया जाता हे। मेष राशि में सूर्य और कुम्भ राशि में बृहस्पति होने से हरिद्वार में कुम्भ का योग बनता है। खगोल गणनाओं के अनुसार यह मेला मकर सक्रांति के दिन प्रारम्भ होता है। मकर संक्रांति के होने वाले इस योग को कुम्भ स्नान–योग कहते हैं और इस दिन को विशेष मंगलकारी माना जाता है, क्योकि ऐसा माना जाता है इस दिन पृथ्वी के उच्च लोको के द्वार खुलते हैं और इस प्रकार इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति सहजता से हो जाती है। यहॉ स्नान करना साक्षात् स्वर्ग दर्शन माना जाता है। इसका हिन्दु धर्म में अत्यधिक महत्व है। शासनादेश संख्या–1117/XX(5)/19–17(हो0गा0)/2019 देहरादून दिनांक 12 दिसम्बर 2019 के द्वारा होमगार्ड्स विभाग के समस्त व्यवस्थाओं हेतु डॉ0 राहुल सचान, स्टॉफ अधिकारी/जिला कमाण्डेन्ट देहरादून को नोडल अधिकारी होमगार्ड्स महाकुम्भ मेला–2021 के रूप में तैनात किया गया। कुम्भ मेला प्रशासन एवं कुम्भ मेला पुलिस के सहयोग हेतु उत्तराखण्ड शासन, गृह अनुभाग–5 के शासनादेश संख्या–576/XX(5)/20–73(हो0गा0)/2005 देहरादून दिनांक अक्टूबर 09, 2020 के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत चरणबद्ध तरीके से 3250 होमगार्ड्स जवानो की तैनाती की गयी है। कुम्भ मेला–2021 हरिद्वार में होमगार्ड्स के ड्यूटी संचरण पर्यवेक्षण, आवासीय व्यवस्था एवं अन्य सुख–सुविधाओं के दृष्टिगत डॉ0 राहुल सचान, नोडल अधिकारी होमगार्ड्स कुम्भ मेला–2021 के अधीनस्थ निम्नानुसार अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्बद्व किया गया एंव नोडल अधिकारी द्वारा कुम्भ मेला के सुव्यवस्थित ढंग से सम्पादन हेतु उनके कार्ये एंव दायित्वों का निर्धारण किया गया।

SR. NO	District	TOTAL
1	Haridwar	500
2	Dehradun	425
3	Tehri Garhwal	305
4	Uttarkashi	150
5	Pauri Garhwal	360
6	Chamoli	275
7	Rudraprayag	50
8	Udhamsingh Nagar	330
9	Nainital	350
10	Almora	250
11	Pithoragarh	170
12	Champwat	50
13	Bageshwar	35
	Total	3250

कुम्भ मेला के सकुशल सम्पन्न कराने हेतु 2 वैतनिक निरीक्षक, 5 वैतनिक प्लाटून कमाण्डर, 3 हवलदार प्रशिक्षक, 20 अवैतनिक कम्पनी/प्लाटून कमाण्डर, 1 प्रधान सहायक, 1 कनिष्ठ लिपिक (संविदा), 4 वाहन चालक तथा 2 सफाई कर्मी (संविदा) योजित किये गये।

होमगार्ड्स एकत्रीकरण व्यवस्था

कुम्भ मेला–2021 हरिद्वार में विभिन्न जनपदों से आने वाले होमगार्ड्स जवानों को उनके जनपद के प्लाटून/कम्पनी/जनपद मुख्यालय के एकत्रीकरण स्थलों से लाने एवं वापस जनपद के प्लाटून/कम्पनी/जनपद मुख्यालय भेजने हेतु मेलाधिकारी महोदय के अनुमोदन के क्रम में डॉ0 राहुल सचान नोडल अधिकारी होमगार्ड्स कुम्भ मेला–2021 के कुशल नेतृत्व में जनपदों को वाहन/बसें उपलब्ध करायी गयी, जिसके अन्तर्गत विभिन्न जनपदों से चरणवार ड्यूटी हेतु होमगार्ड्स जवानों को अनुशासित ढ़ग से लाने हेतु लाईजनिंग अधिकारियों के माध्यम से जनपदवार बसें प्रयोग में लायी गयी, इसी प्रकार कुम्भ मेला ड्यूटी समाप्ति के पश्चात चरणवार होमगार्ड्स जवानों को अनुशासित ढंग से प्रत्येक बस में प्रभारी नियुक्त कर जनपदवार बसों के माध्यम से व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित वापसी करायी गयी।

आवास व्यवस्था

कुम्भ मेला–2021 ड्यूटी में प्रथम द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ चरण में ड्यूटी हेतु उपलब्ध होमगार्ड्स जवानों को माह जनवरी–फरवरी माहों में मेला अधिकारी महोदय के पत्र दिनांकः 18.12.2020 एवं पत्र दिनांकः 28.12.2020 के द्वारा कुम्भ मेला 2021 हरिद्वार में तैनात होमगार्ड्स को अस्थाई आवसीय व्यवस्था होने तक मेला क्षेत्र की विभिन्न स्कूल/कॉलेजों एवं धर्मशालाओं में आवासीय व्यवस्था उपलब्ध करायी गयी। साथ ही जनवरी–फरवरी के माहों में सर्दी के दृष्टिगत आवासीय स्थलों पर जवानों को मैट/कारपेट उपलब्ध करायी गयी। आवासीय व्यवस्था ज्वालापुर इण्टर कालेज, श्री गरीब दासीय, साधु संस्कृत महाविद्यालय, जगजीतपुर कनखल, स्वामी सत्यमित्रानन्द गिरि राजकीय इण्टर कालेज, हरिपुरकला, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, हरिपुर, शांन्तिकुंज आश्रम, तपा धर्मशाला, पंजाब सिंध क्षेत्र आश्रम, निर्धन निकेतन आश्रम, खड़खड़ी, भूपतवाला, जगराव गीता आश्रम, भीमगौडा, हरिद्वार, पंजाब सिंध क्षेत्र, ऋषिकेश, सत्य सांई धाम स्कूल, श्री पूर्णानन्द इंटर कॉलेज, मुनिकिरेती में कराई गई।

क्र0सं0	नाम होमगार्ड्स लाईन	क्षेत्रफल वर्ग फिट	लाईन प्रभारी
01	लालजीवाला	286000 sq.ft	श्री सचिन कुमार, वैतनिक प्लाटून कमाण्डर
02	बैरागी+सतीद्वीप(नया टापू)	264000 sq.ft	श्री दीपक कुमार भट्ट वैतनिक प्लाटून कमाण्डर
03	रानीपुर सैक्टर बी.एच.ई.एल.	369000 sq.ft	श्री चन्द्रकांन्त सिंह बिष्ट वैतनिक प्लाटून कमाण्डर
04	भरत विहार ऋषिकेश	45000 sq.ft	श्री विरेन्द्र सैनी वैतनिक प्लाटून कमाण्डर

कुम्भ मेला प्रशासन द्वारा होमगार्ड्स जवानों को माह मार्च व अप्रैल हेतु निम्नानुसार चार स्थानों पर अस्थाई आवासीय व्यवस्था के लिये होमगार्ड्स लाईन हेतु भूमि आवंटित की गयी।

उपरोक्त आवंटित स्थलों पर होमगार्ड्स की आवासीय व्यवस्था के अन्तर्गत आवासीय टेन्ट, कार्यालय हेतु टिन सेट, स्टोर, सभागार/सम्मेलन कक्ष, मैस आदि के साथ–साथ शौचालय एवं स्नानागार आदि की व्यवस्था मेला प्रशासन द्वारा उपलब्ध करायी गयी। कोरोना (Covid-19) महामारी की गाईडलाईन के दृष्टिगत Social Distancing का अनुपालन करते हुये प्रत्येक टेन्ट में 04 जवानों की आवासीय व्यवस्था उपलब्ध करायी गयी तथा प्रत्येक टेन्ट में कम्पलीट मैटिंग उपलब्ध करायी गयी। प्रत्येक जवान को फोल्डिंग चारपाई, गद्दा, चादर, तकिया, कम्बल के साथ–साथ सुविधा के दृष्टिगत बाल्टी, जग, पंखा आदि आवश्यक सामग्री उपलब्ध करायी गयी। कुम्भ मेला–2021 के दौरान होमगार्ड्स लाईनों में विधिवत क्वार्टर गार्ड जी0डी0 रूम आदि का संचालन किया गया प्रत्येक लाईन पी.ए. सिस्टम के माध्यम से होमगार्ड्स जवानों को ड्यूटी सम्बन्धी आवश्यक दिशा निर्देश समय–समय पर दिये जाते रहे, जिनका अनुपालन जवानों द्वारा तत्परता से किया गया। इसके साथ ही प्रत्येक होमगार्ड्स लाईन में लाईन प्रभारी एवं अन्य अधिकारियों के आपसी सामंजस्य हेतु सी. यू.जी. सिम एवं आंतरिक कम्युनिकेशन सिस्टम हेतु वाकी–टॉकी उपलब्ध कराये गये जिससे सूचनाओं का आदान–प्रदान त्वरित गति से सम्पादित हुआ।

भोजन व्यवस्था

कुम्भ मेला–2021 हरिद्वार में तैनात होमगार्ड्स जवानों की भोजन व्यवस्था स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भोजनालय की व्यवस्था की गयी, जिसमें सुबह की चाय+नाश्ता, दोपहर का भरपेट भोजन, सायंकालीन चाय एवं रात्रि का भरपेट भोजन उपलब्ध कराया गया। इस हेतु जवानों को रूपये 180 प्रति दिवस भोजन भत्ता प्रदान किया गया।

परिवहन व्यवस्था

कुम्भ मेला–2021 हरिद्वार में तैनात होमगार्ड्स जवानों को विभिन्न होमगार्ड्स लाईनों से ड्यूटी स्थल तक आने एवं जाने हेतु विभागीय तथा किराये पर लिये वाहनों से उचित परिवहन व्यवस्था उपलब्ध करायी गयी। परिवहन हेतु 2 विभागीय ट्रक, 1 मिनी बस तथा 8 हल्के वाहन योजित किये गये। कुम्भ मेला–2021 के सफल सम्पादन हेतु नये 02 बुलेरो वाहन एवं 07 मोटरसाईकिलें क्रय की गयी एवं 07 मोटरसाईकिलें विभिन्न अस्थाई लाईनों में कुम्भ मेला ड्यूटी–2021 से सम्बन्धित कार्यों हेतु प्रयोग में लायी गयी।

कुम्भ मेला–2021 के अवसर पर होमगार्ड्स द्वारा की गयी विभिन्न ड्यूटियों का विवरण

कुम्भ मेला–2021 हरिद्वार में नियुक्त डॉ0 राहुल सचान, नोडल अधिकारी होमगार्ड्स महाकुम्भ मेला–2021 को विशेष स्नान पर्वों पर जोनल पुलिस अधिकारी का दायित्व मेला पुलिस द्वारा सौंपा गया जिसका निर्वहन इनके द्वारा सफलतापूर्वक सम्पादित किया गया। विशेष शाही स्नान के पर्वों पर नोडल अधिकारी होमगार्ड्स के निर्देशन में जनपदों से आये वैतनिक एवं अवैतनिक जनपद प्रभारियों द्वारा अतिरिक्त रूप से शाही स्नान के जुलसों में सुरक्षा ड्यूटी को अंजाम दिया गया।

कुम्भ मेला–2021 के शुरूआती स्नान पर्वों पर मेला पुलिस द्वारा होमगार्ड्स विभाग को पूर्णतः पन्तद्वीप पार्किंग (चमगादड़ टापू) व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया जिसका नोडल अधिकारी कुम्भ मेला होमगार्ड्स के निर्देशन में होमगार्ड्स विभाग के वैतनिक/अवैतनिक अधिकारियों/कर्मचारियों ड्यूटी का सफलतापूर्वक सम्पादन किया गया। जिसकी मेला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन द्वारा भूरी–भूरी प्रशंसा की गयी।

कुम्भ मेला–2021 हरिद्वार के मुख्य शाही स्नानों के दौरान विभिन्न अखाड़ों के साथ नोडल अधिकारी कुम्भ मेला होमगार्ड्स के निर्देशन में होमगार्ड्स विभाग के वैतनिक/अवैतनिक अधिकारियों/कर्मचारियों एवं जवानों द्वारा **रस्सा** ड्यूटी का सफलतापूर्वक सम्पादन किया गया। जोकि कुम्भ मेला के दौरान एक विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। कुम्भ मेला–2021 हरिद्वार में 3250 जवानों में से 750 होमगार्ड्स जावनों/अधिकारियों को मेला प्रशासन के साथ एवं 2500 होमगार्ड्स जवानों/अधिकारियों को कुम्भ मेला पुलिस के साथ तैनात किया गया। मेला प्रशासन के अन्तर्गत मेला अधिकारी महोदय के साथ होमगार्ड्स का Q.R.T. बल तैनात किया गया। कुम्भ मेला–2021 में मेला प्रशासन में तैनात विभिन्न उच्चाधिकारियों के साथ होमगार्ड्स जवानों को वाहन चालक के कार्य एवं सुरक्षा के दृष्टिगत हमराह ड्यूटियों पर तैनात किया गया साथ ही मेला प्रशासन के विभिन्न कार्यालयों/स्वागत कक्ष, मेला कन्ट्रोल रूम, मीडिया सेन्टर, रैन बसेरा, परिवहन निगम, विभिन्न सेक्टर मजिस्ट्रेट जोनल मजिस्ट्रेट के साथ–साथ चिकित्सालय सुरक्षा, परिवहन बस अड्डा एवं स्नान पर्व के दिवसों में चलायी गयी शटल बस सेवा में भी सराहनीय ड्यूटी की गयी। उक्त स्थलों पर होमगार्ड्स द्वारा की गयी सराहनीय ड्यूटियों का विभिन्न अवसरों पर शासन प्रशासन के अधिकारियों द्वारा भूरी–भूरी प्रशंसा की गयी।

पुलिस प्रशासन के अन्तर्गत होमगार्ड्स जवानों को कुम्भ मेला–2021 में अवस्थित विभिन्न सेक्टर/थाना क्षेत्रों में बहुतायत संख्या में पुलिस/अर्द्धसैनिक बलों के साथ ड्यूटी पर तैनात किया गया, स्नान पर्वों एवं महत्वपूर्ण दिवसों में होमगार्ड्स जवानों द्वारा पुलिस/अर्द्धसैनिक बलों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर 12 से 14 घण्टों तक ड्यूटियों का निर्वहन किया गया। विभिन्न अखाड़ों के द्वारा शाही स्नान के दिवसों में होमगार्ड्स जवानों द्वारा उत्साहपूर्वक एवं अनुशासित तरीके से रस्सा ड्यूटी को अंजाम दिया गया जिसकी मेला/पुलिस प्रशासन की उच्चाधिकारियों द्वारा भूरी–भूरी प्रशंसा की गयी इसके अतिरिक्त होमगार्ड्स जवानों द्वारा समस्त सेक्टर ड्यूटी पुलिस रेडियो संचार, जी.आर.पी., यातायात नियन्त्रण, अखाड़ों एवं शाही स्नान के दौरान जुलूस में सराहनीय ड्यूटी की गयी। कुम्भ मेला–2021 में कतिपय होमगार्ड्स जवानों द्वारा ड्यूटी के दौरान किये गये उत्कृष्ठ कार्य हेतु पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड़ द्वारा भी पुरूस्कृत किया गया।

कुम्भ मेला–2021 में होमगार्ड्स के अनुशासन एवं एकरूपता तथा टर्नआउट के दृष्टिगत होमगार्ड्स जवानों को वर्दी से सम्बन्धित सामग्री उपलब्ध करायी गयी जिससे होमगार्ड्स विभाग की एक अलग ही छवि उभरकर आयी।

कुम्भ मेला–2021 में कोविड–19 महामारी के दृष्टिगत सतर्कता, संक्रमण से सुरक्षा के सम्बन्ध में।

कोरोना वैश्विक महामारी से बचाव के दृष्टिगत ड्यूटीरत समस्त होमगार्ड्स जवानों एवं अधिकारियों/कर्मचारियों को कोरोना महामारी के दृष्टिगत शत–प्रतिशत वैक्सीनेशन करवाया गया ताकि कुम्भ मेला–2021 ड्यूटी में तैनात समस्त होमगार्ड्स एव कर्मियों के अन्दर इम्युनिटी विकसित हो सके, साथ ही भारत सरकार/राज्य सरकार की गाईडलाईन के अनुसार समय–समय पर कुम्भ मेला–2021 ड्यूटी में तैनात समस्त होमगार्ड्स एव कर्मियों को आवश्यक फेस मास्क एवं सैनीटाईजर उपलब्ध करायी जाती रही जिससे कि ड्यूटीरत होमगार्ड्स जवानों एवं अधिकारियों/कर्मचारियों का महामारी से बचाव किया जा सके एवं कुम्भ मेला ड्यूटी को निर्बाध रूप से सफलतापूर्वक निर्वहन किया जाता रहे।

विशेष

कुम्भ मेला–2021 में होमगार्ड्स विभाग के वैतनिक/अवैतनिक अधिकारियों/कर्मचारियों एवं ड्यूटी इंचार्ज/सैक्टर इंचार्ज को कुम्भ मेला ड्यूटी से सम्बन्धित आपसी सामंजस्य हेतु कम्यूनिकेशन हेतु सी.यू.जी. नम्बर उपलब्ध कराये गये, कुम्भ मेला–2021 में होमगार्ड्स विभाग के वैतनिक/अवैतनिक अधिकारियों/कर्मचारियों एवं होमगार्ड्स जवानों को उपरोक्त वर्दी सम्बन्धित सामग्री के अतिरिक्त परिचय पत्र, कुम्भ मेला ड्यूटी सम्बन्धी बुकलेट, ड्यूटी सम्बन्धी प्रमाण–पत्र, कुम्भ मेला ड्यूटी मेडल आदि भी उपलब्ध कराये गये जिससे होमगार्ड्स जवानों ने उत्साह का संचरण हो एवं भविष्य में दिये जाने वाले किसी भी प्रकार के उत्तरदायित्व का निर्वहन होमगार्ड्स विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं होमगार्ड्स जवानों द्वारा अधिक उत्साह से सम्पादित किये जाने की प्रेरणा प्राप्त हो।

कुम्भ मेला–2021 के अवसर पर उत्तराखण्ड़ सरकार, मेला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये गय संसाधनों के द्वारा उत्तराखण्ड़ होमगार्ड्स विभाग को अपने दायित्वों के निर्वहन में सबलता प्राप्त हुयी उत्तराखण्ड़ सरकार/मेला प्रशासन द्वारा आवंटित अनुदान का होमगार्ड्स विभाग द्वारा उपभोग करते हुये विभाग हेतु आवश्यक संसाधन जुटाये गये, साथ ही ड्यूटीरत होमगार्ड्स को भी आवासीय स्थल/ड्यूटी के दौरान आवश्यक सुविधा प्राप्त हुई। मेला प्रशासन/शासन द्वारा उपलब्ध कराये गये संसाधनों से जहां एक ओर होमगार्ड्स विभाग के टर्न–आउट एवं अनुशासन में वृद्वि हुयी, वही ड्यूटी में होमगार्ड्स विभाग की कुम्भ मेला–2021 के दौरान राज्य पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के साथ अच्छी छवि उभरकर आयी। उत्तराखण्ड़ सरकार, मेला प्रशासन/पुलिस प्रशासन द्वारा सौपीं गयी सुरक्षा की जिम्मेदारी का निर्वहन होमगार्ड्स विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं होमगार्ड्स जवानो द्वारा उच्च कोटि का अनुशासन, पूर्ण सजगता एवं अच्छे टर्न–आउट तथा जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन किया गया।

उत्तराखण्ड सरकार/मेला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये गये संसाधनों एंव होमगार्ड्स विभाग को सौपे गये दायित्वों एंव भरोसे के लिए होमगार्ड्स विभाग उत्तराखण्ड सरकार/मेला प्रशासन का आभार प्रकट करता है।

✲ ✲ ✲

निर्मल जोशी
चमोली कमाण्डेन्ट

हमर देश भारत में कुनी

यां जाग - जाग में भगवान रुनी।
कें मंदिर - मस्जिद, कें गुरुद्वार - चर्च,
यां एक नै, कदू शहरन में हुनी।
हमर संस्कृति, हमर योगक डंका संसार भर में बजुं,
हमर नाम क्वाण - क्वाण में स्वर्ण अक्षरल सजुं।

जां हमुकें य सब चीजनक एहसास छू,
वां कें - कें इन बातनुक विरोधाभास छू।

हमर पुरखुंक जां नाम उंछी ज्ञानक लिजी,
अब उनर संतानुक जिगर उनौ रुढियों - भ्रष्टाचारक लिजी।

कालांतर में विश्व गुरुक नाम हुणक बावजूद,
कभत्ते - कभत्ते हम ख़ुद में उलझ जानूं,
जां हमुकें लड़ड़ चें गरीबी - भ्रष्टाचारक खिलाफ,
हम धर्म - जातिक, ठुल - नानक नाम पै भिड़ जानूं।

अथा हैगे आब आपस में एक - दुसरनकि खिसै लगूण,
हमुकें अब देशकि छवि दुबार सुधारण छू,
रामक - बुद्धक यौ देश कें,
वीक असल दर्ज हम - सबनकें दुबार दिलाण छू।

✲ ✲ ✲

SOCIAL MEDIA- MISINFORMATION AND SOCIAL (DIS) HARMONY

Nitin Kakerwal
DC. Almora

"The wise man beholds all beings in the self and the self in all beings; for that reason he does not hate anyone"- Isha Upanishad.

At the heart of the present predicament regarding the survival and peaceful existence of mankind is inter-alia, social (dis)harmony. This social disharmony aspect- which is instigated by vested interests using fabricated divides of religion, race, caste, ethnicity etc and accentuated by modern tools of humans ingenuity i.e. internet, social media etc- has undermined, to a perceptible extent, human synergy and cooperation.

In my view, dealing with the issue is an utmost imperative at present juncture of history, lest we are willing to part with socially stable and functional organisation of human beings.To not acknowledge the intensity and magnitude of the problems or downplay its consequences or to shrug off our "personal" responsibility using collective or governmental responsibility as an alibi, is to proverbially put our head in the sand like an ostrich or to ignore the elephant in the room, which will inevitably crush us, sooner or later.

The scale at which the dynamics of social (dis)harmony play out transcends individual perception and stake. Advertently or not, our actions, though seemingly benign, contribute to the problem. Thus, the incongruity in terms of individual actions, for eg- forwarding potentially inflammatory (while not discounting conscious lack of efforts) and the collective loss suffered, vis. hate violence, vigilantism, etc makes dealing with the issue both complex and imperative. However, all is not gloomy and like other crises which mankind has confronted, there is scope for undoing the damage and individual actions play a significant role.

Social media

While in this age of information and technology, social media plays an important role in disseminating information and connecting people, its misuse and fallouts cannot be discounted. While ushering an era of diminishing distances and connectedness, its misuse has led to growing social divides, conflicts and disharmony too. In essence, it has been a double edged sword.

Forms

Social media operates at both mass (facebook, instagram, twitter etc) and personal (whatsapp, telegram etc) level. The reach and influence of both these forms is unparalleled, and because of this defining characteristic, it is vulnerable to misuse and causing harm.

The issue

The expanse of mobile networks and internet has made reaching thousands and lakhs of users in a short period of time using social media a reality. But the main issue surrounding social media is that the nature of content can be unverified and unchecked, and using tools of persuasion and human ingenuity, can be cloaked in the form of genuine content. The anonymity surrounding the originator of such information and lack of disincentive structure/ penalty around such fake content is often used by unruly elements to spread misinformation to advance propaganda, conspiracy theories and violence. Lack of fact checking is also a major issue. A recent whistleblower leak has revealed that Facebook inadequately invests in fact checking on its platform when it comes to non-English languages, including Hindi and Bengali. TO put in perspective, 90% of fact checking funds are reserved for US users, which constitute only 10% of Facebook's user base. Thus the lack of non-english language classifiers is a big issue and there is a need to both underline and understand the risks that social media poses in such an unregulated environment.

Instances

Incidents abound which only underscore the extent to which social media poses a challenge and threat to stability and harmony of human society. The 2013 Muzzaffarnagar riots were instigated over social media. Social media has become a platform for radicalization and misinformation which ultimately lead to violence and hatred. No wonder, terrorist propaganda, planning and attacks have been streamlined using messaging apps like telegram. Unverified and potentially harmful medical advice can also be found over "forwarded" messages on social media; for eg- some people in South Africa died after consuming dettol, thinking it to be an antidote against COVID. A latest internal report by Facebook has concluded that excessive use of Instagram has led to deep psychological impact on children, of which body shaming and self loathing are worth noting. Facebook is abound with videos of gory violence, molestation too. A test account created by one of the internal researchers in Facebook India revealed that the account was flooded with gore, violence, and politically charged content within weeks of use, implying that the algorithms used by Facebook are inadequate to tackle such issues. It is also pertinent to note that misinformation surrounding vaccination an Covid treatment has led to vaccine hesitancy in US, Europe and also to some extent, India, which is a big obstacle in containing a global pandemic.

Election rigging and manipulated political opinions is another big issue,whether in the US, India or

elsewhere. Democracy works on the principle of informed consent and a social atmosphere thriving on misinformation and fake news is surely a threat to it. Thus such misuse of social media is antithetical to democratic ethos.

Reasons for misinformation/fake news/content

In most cases, reasons behind people circulating fake content/mis-information (as an originator) are politico-ideological, business interests and in some cases, just for fun. THe National Crime Record Bureau data reveals that there has been a three fold increase in false/fake news related crimes under IPC from 2019 to 2020. Thus, it can be inferred that use of social media to drive selfish and motivated ends has increased in the recent past.

The solution

All this is not to say that social media is evil. It has been a revolution in a sense that it has connected people, has brought a human touch to otherwise formal communication, has been an enabler of human free speech and expression, provided economic avenues to people etc. It was used to mobilize resources during the ferocious second wave of Covid. But at the same time, the unregulated and unchartered environment of its use and misuse has also led to

Threat to peace and harmony

Erosion of rational faculties; since most of fake-news/mis-information is unscientific, conspiracy-based, propaganda driven.

Creation of unnecessary divides in society

Injustice to future generations; since a social environment we create today is an environment that will be inherited by our future generations.

In such a scenario, where stakeholders viz. Social media companies, governments, users are many, the responsibility of steering clean social media of this menace lies with everyone. The debate on self regulation vs government regulation of social media is contentious since it impinges on issues of free speech, state surveillance and suppression of undesirable content/dissent. While it is evident from recent events and whistleblower accounts that social media companies have not been hitherto up to the mark in controlling the menace of fake news and misinformation and governments (despite good intention) are viewed with suspicion when it comes to regulating social media, "WE" as users of social media can and should play an important role in curbing this menace (and realize the true potential of social media as an enabler of human speech, expression and connection).

Thus, while measures such as legislations regulating social media intermediaries, eg- Information Technology (Intermediary Guidelines and Social Media Ethics Code) Rules, 2021, institutionalization of language classifiers and Artificial Intelligence based content flagging by social media companies, fake news as part of education curriculum (such as in Italy) as well as involving academia and startups in fact checking are institutional and imperative measures, we need to take note that it is the actions of the users that will be critical and also to the success of these institutional measures.

Article 51A(h) of the Constitution lists the requirement of scientific temper, humanism and spirit of enquiry and reform as fundamental duty of the citizens. Though not a legally binding requirement, the provision embodies the characteristics expected of aware and compassionate citizens of a democratic republic. We need to cultivate this very sense of questioning, the critical aspect of rational human progress. As aware and responsible citizens, the onus lies on each one of us to counter misinformation. It is also pertinent because historically, all societies have progressed on the back of rational and scientific outlook and misinformation/fake news (generally grounded on lack of evidence, fabricated facts and divisive propaganda) is an impediment for such a vision of society.

As individuals, it is our duty to verify whatever information or the source we are consuming or referring to. We can do this through traditional cross checking with standard sources, emailing the person/institution concerned or as simply as through a reverse google image search. Also, the most authentic way to access information is following legitimate channels like PIB, government websites etc.

To conclude, as is said of the sword that it does not kill people, rather it is a tool in the killer's hands, the same is true for social media. It is both a boon and bane depending on the context in which it is used/deployed. As argued, it has been misused by vested interests to create social divides, sow disharmony as well as been an impediment to a rational modern outlook. However, the revolutionary potential of social media in the form of facilitating communication reach, opening socio-economic avenues etc cannot be overstated. We, as individuals need to get rid of the menace of misinformation and unverified content on social media to realize its fullest potential. Concluding, the question here relates to not just how we "presently" stand to lose in a scenario where fake news/misinformation/misuse of social media vitiates socio-politico-economic environment but also being just and fair to future generations, since a society we create is the one they inherit. And no one would be an exception to this.

✲✲✲

होमगार्ड्स स्वयं सेवकों

महिला होमगार्ड पुष्पा देवी ने दिखाई बहादुरी, महिला का पर्स छीनकर भागने वाले का पीछा कर किया गिरफ्तार

महिला होमगार्ड पुष्पा देवी दोपहर कालाढूंगी चौराहे पर खड़ी अपनी ड्यूटी निभा रही थी इसी बीच ऋतु खत्री खोलिया निवासी बिठोरिया नंबर एक ऑटो से उतारकर बाजार में जाने लगी इस दौरान पर एक युवक उनका पर्स छीन कर भाग खड़ा हुआ जिसके बाद महिला के शोर मचाने पर महिला होमगार्ड के जवान उसके पीछे दौड़ लगा दी जहां कुछ दूरी पर आरोपी छत के ऊपर चढ़ गया जिसके बाद तीन मंजिल से महिला होमगार्ड ने उसको पकड़ लिया जिसके बाद महिला होमगार्ड युवक को थाने ले आयी।

पर्स छीनकर दुकान की तीसरी मंजिल पर चढ़ गया उचक्का

महिला होमगार्ड पकड़कर नीचे ले आई

एक और उचक्का गिरफ्तार

साजिश रचने वाला दबोचा

#पुलिस_अधीक्षक_चमोली #श्री_यशवंत_सिंह_चौहान महोदय के निर्देशन में अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के विरूद्ध जनपद पुलिस की #प्रभावी #कार्यवाही लगातार जारी है, इसी क्रम में आज दिनांक 29/06/2021 को क्षेत्राधिकारी कर्णप्रयाग श्री विमल प्रसाद महोदय के पर्यवेक्षण में कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान लंगासू से एक अभियुक्त अनूप सिंह पुत्र श्री पुष्कर सिंह निवासी ग्राम- चमाली, पोस्ट लंगासू, थाना कर्णप्रयाग, जनपद- चमोली उम्र-41 वर्ष को 12 अद्धे व 40 पव्वे (16 बोतल) अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया, अभियुक्त के विरूद्ध कोतवाली कर्णप्रयाग पर मु0अ0सं0 19/21, धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया है।

#पुलिस_टीम
1- उप निरीक्षक श्री गगन मैठाणी।
2- होमगार्ड शैलेंद्र सिंह।

दिनांक 25 जून, 2021 को हो0 गा0 नंबर 2100 श्री प्रकाश सिंह बोहरा ग्रामीण प्लाटून,बारकोट की ड्यूटी जनपद चम्पावत के बनबसा के शारदा बैराज चौकी के अंतर्गत शारदा बैराज में लगाई गयी थी। ड्यूटी के दौरान हो0 गा0 नं0 2100 श्री प्रकाश सिंह बोहरा को एक मोबइल फ़ोन गिरा हुआ मिला, जिसे उक्त होमगार्ड द्वारा शारदा बैराज चौकी बनबसा में जमा कराया। बाद में इस मोबाइल पर एक कॉल आयी, कॉल करने वाले ने अपना नाम दिपेन्द्र जोशी S/o श्री धौलदत्त जोशी, R/o दुधारा चांदनी, वार्ड नंबर 03, जिला कंचनपुर, नेपाल...

आज दिनांक 15 जुलाई 2021 को कोतवाली में तैनात होमगार्ड 1308 लखन कुमार को जनपद पौड़ी के एसएसपी महोदय द्वारा उनके अच्छे टर्नआउट व ट्रैफिक ड्यूटी व्यवस्था को बखूबी निभाते हुए महोदय द्वारा उनको प्रोत्साहन राशि देकर अपने हाथों से सम्मानित किया

जनपद चमोली में माननीय विधायक श्री महेन्द्र भट्ट जी के द्वारा पुष्कर चौहान प्लाटून सार्जेन्ट तथा शैलेन्द्र सिंह हो.गा. 1202 व हो.गा. 1298 को उनके साहसिक कार्य को देखते हुए उनको प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जनपद पौड़ी गढ़वाल में आपदा प्राधिकरण आयोजन किया जिसमें कर्मचारियों

द्वारा किये गये सराहनीय कार्य

HOMEGUARDS

Performing Duty at Various points

जनपद चमोली में बद्रीनाथ से लगभग 12 km दूर जिसमे लगभग 6 km का पैदल मार्ग हैं. वसुधारा नामक स्थान में किसी साधु की ग्लेशियर टूटने के कारण मृत्यु हो गई थीं जिसे स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर होमगार्ड 1202 शैलेन्द्र सिंह तथा 1298 जगदीश सेमवाल द्वारा रेस्क्यू किया गया.

जनपद रुद्रप्रयाग में भी होमगार्डस कर्मचारियों को आयुष रक्षा किट वितरित की गयी।

के सौजन्य से मॉकड्रिल का द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जनपद हरिद्वार में आयुष किट वितरण

24 वर्षों का विभागीय कठिन सफर के कुछ अदभुद पल

श्यामेन्द्र कुमार साहू
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
होमगार्ड्स मुख्यालय

शनैः शनैः उत्तराखण्ड राज्य सृजन होने के उपरान्त पुलिस मुख्यालय से होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग का कार्य प्रारम्भ किया गया। उस समय विभाग के पास स्वयं का कार्यालय व संचालन हेतु कोई संसाधन एवं पर्याप्त कार्मिक उपलब्ध नहीं थे और न ही विभाग का कोई ढांचा था। वर्ष 2001 से वर्ष 2005 तक की अवधि में विभाग का कार्य विकट परिस्थितियों में पुलिस मुख्यालय से संचालित किया गया। अत्यन्त कठोर परिश्रम, लगन एवं सूझबूझ से होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग का ढांचा वर्ष 2004 में शासन द्वारा स्वीकृत कराया गया, तत्पश्चात् विभागीय नियमावलियों में आवश्यक संशोधन कराकर वर्ष 2005 में विभाग में पात्र कार्मिकों की पदोन्नतियों का कार्य प्रारम्भ कराया गया।

''पिन सारे कागज को जोड़ कर रखना चाहती है, लेकिन वह हर कागज को चुभती है,
इसी प्रकार जो व्यक्ति सभी को जोड़कर रखना चाहता है, वह भी सभी के ऑखों में चुभता है।''

वर्ष 2000 में उत्तराखण्ड राज्य के अस्तिव में आने पर पुलिस मुख्यालय देहरादून में होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के विभागीय कार्यों हेतु मुझे पुलिस मुख्यालय, उत्तराखण्ड, देहरादून में नियुक्त किया गया। उस समय विभाग के पास कोई भी संसाधन उपलब्ध नहीं थे, यहाँ तक कि मेरे बैठने के लिये कोई सीट भी निश्चित नहीं थी। जब कोई अनुभाग का कार्मिक किसी कार्य हेतु उठकर बाहर जाता तभी मैं विभागीय कार्य सम्पादित करता था। पुलिस मुख्यालय में तैनाती अवधि पर विभागीय कार्यों की जटिलताओं, असुविधाओं, साधनविहीनता एवं सुविधाविहीन स्थितियों ने मुझे कभी कर्त्तव्य बोध से विचलित नहीं होने दिया। ''**जो लोग आप से जलते है उन लोगो से नफरत कभी मत करना क्योंकि यही तो वो लोग है, जो यह समझते है कि आप उनसे बेहतर है।**''

कई कठिन प्रयत्नों के उपरान्त वर्ष 2004 में विभागीय ढांचा, वर्ष 2010 में मुख्यालय हेतु तथा वर्ष 2015 में केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान हेतु भूमि आवंटित हुयी, जिस पर विभागीय मुख्यालय एवं केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान के भवन का वृहद निर्माण हुआ। वर्ष 2016 में विभागीय ढ़ाचे का पुर्नगठन कराया गया, जिसमें कई विभागीय पदों का सृजन हुआ। विभाग में पदोन्नतियॉ कम होने के कारण वर्ष 2016 में ही विभागीय नियमावलियॉ संशोधित करायी गयी। **''हर बुराई का इल्जाम मुझ पर ही आया, कितना बुरा था, मेरा अच्छा होना, इंसान की अच्छाई पर सब खामोश रहते है, चर्चा अगर उसकी बुराई पर हो तो, गुंगे भी बोल पड़ते है।''**

उक्त अवधि में अनेको बार विभागीय कार्मिकों द्वारा द्वेष भावना तथा मेरी विभागीय छवी धूमिल करने के उददेश्य से विभिन्न श्रोतों से मिथ्यपूर्ण, बेबुनियाद व निराधार शिकायतें आदि की गयी, परन्तु मेरे द्वारा बगैर विचलित हुये अपने कर्त्तव्य मार्ग पर कार्य के प्रति लगन में कभी भी कमी नहीं आयी। कहा जाता है कि **''धोखा देना अपराध होता है, किन्तु धोखा खाना अपराध नहीं।''** इसी तर्ज पर मैं अपने विभागीय कार्य के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रहता हूँ। 24 वर्षों की निरन्तर सेवा में अनेकों बार विभागीय प्रतिकूल गम्भीर परिस्थितियाँ आयी, फिर भी मेरे मन में कभी विभागीय कार्यों के प्रति नैराश्य की भावना उत्पन्न नहीं हुयी। मेरे इस लम्बे सेवाकाल में कई बार कठिन विपत्तिया आई, किन्तु मैने उसका डट कर सामना किया **''कोई हताश हो के बिखर गया, तो कोई संघर्ष करके निखर गया।''**

'' गलती उसी से होती है, जो मेहनत से काम करता है,
निकम्मों की जिंदगी तो दूसरों की बुराई खोजने में खत्म हो जाती है।''

प्रत्येक राजकीय कार्मिक को अपने पद के कार्य से सन्तोष होना चाहिये। कहते हैं **''बेहिसाब हसरतें न पालिये जो मिला है उसे सम्भालीये। अर्थात सन्तोषम परम सुखम्।''**

यह मेरा सौभाग्य था कि मुझे निरन्तर लगभग 20 भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) के उच्चतम अधिकारियों के साथ कार्य करने का सुअवसर मिला, जिस कारण यह विभाग अल्प अवधि में ही प्रगति के पथ पर आरूढ़ हुआ।

''जीवन में बहुत सी मुश्किलें आयेंगी, लेकिन कभी शिकायत मत करना क्योंकि भगवान ऐसा डायरेक्टर है, जो सबसे कठिन रोल बेस्ट एक्टर को ही देता है''

वर्तमान में होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग का ढ़ाचा अन्य विभागों की अपेक्षा में बहुत अच्छा है तथा संसाधन भी प्रर्याप्त है किन्तु विभाग में दिन प्रतिदिन कठिन मेहनत करने पर भी अच्छे कार्यों की उपेक्षा की जाती है, जिससे मेरा मन बहुत ही दुःखी रहता है। कहते है कि **''दूसरों का भला करने वाले, मनुष्य को हमेशा कष्टों का सामना करना पड़ता है क्योंकि हमेशा फल देने वाले वृक्ष को ही पत्थरों की मार सहनी पड़ती है।**

जय हिन्द

आपदा राहत ड्यूटी

माह सितम्बर 2021 कुमायूँ मण्डल
में आयी आपदा में
राहत कार्य करते होमगार्ड्स स्वंय सेवक

Civil Defence Volunteers protect the public and restore vital services and facilities that have been destroyed or damaged by disaster. During the second wave of Corona Pandemic Civil defence volunteers helped covid patients in free distribution of food and medicines, helped in arranging oxygen and donated blood, helped covid patients in getting hospital beds, checked social distancing in colonies and helped in sanitization work. Civil defence volunteers also helped government in doing last ceremony of Covid patients, distribution of ration kit to needy families. Civil Defence volunteers get Fire Fighting Tips from Fire office on different occasions that helps in fire rescue operations. Team Civil Defence also get exposed to mock drills like rescue at Rispana river. Civil Defence Volunteers celebrated International Yoga Day by performing yoga, celebrated Harela Parv by planting trees and celebrated national festivals. Civil Defence Volunteers have organised many Blood donation camps and Free Covid Vaccination camps. Civil Defence supports the frontline emergency services in dealing with severe weather like helping people suffering from heavy rain or searching for missing people. Civil Defence volunteer are expected to be the first responders in case of disaster situations or hostile enemy attacks....Dr Vishwa Raman.. Divisional Warden. (North)

घरों में कोरोना से मर रहे लोगों के अंतिम संस्कार को वालंटियर लगाए

देहरादून | कार्यालय संवाददाता

जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच अस्पतालों में उपचार नहीं मिलने पर अब लोग घरों में भी जान गंवाने लगे हैं। ऐसे लोगों का कोविड श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार कराने के लिए सिविल डिफेंस के वालंटियर लगाए गए हैं। एडीएम वित्त एवं राजस्व बीएस बुदियाल ने इसका आदेश किया है।

कोविड कर्फ्यू के बावजूद दून में तेजी से कोरोना पैर पसार रहा है। अस्पताल में लोगों को बेड नहीं मिल पा रहे हैं। कई मरीज बेहतर उपचार की आस में घरों में ही दम तोड़ दे रहे हैं। ऐसे कई लोगों का उनके परिजन सामान्य श्मशान घाटों पर ही बिना कोविड गाइडलाइन का पालन किए अंतिम संस्कार करा रहे हैं। अपर जिलधिकारी बीएस बुदियाल ने घरों में कोविड से मरने वाले शव का रायपुर स्थित श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार कराने के लिए वालंटियर तैनात किए हैं।

उन्होंने बताया कि वालंटियर शवों को श्मशान घाट तक ले जाने और अंतिम संस्कार कराने में मदद करेंगे। वह कोविड प्रोटोकाल की व्यवस्था भी बनाएंगे।

ये वालंटियर तैनात किए

- डा. मुशीर अंजुम- 9760312912
- डा. अशरफ खान-9837972523
- नितिन कुमार- 9897646683
- बलविंदर सिंह - 7579423305

स्वयं सेवक डा0 मुशीर अंजुम, (टीम लीडर) डा0 अशरफ खान, श्री नितिन कुमार श्री बलविंदर सिंह कोविड-19 के दौरान शव दाह करते हुए।

स्वयं सेवक डा0 मुशीर अंजुम, डा0 अशरफ खान कोविड-19 के दौरान शव गृह कोरेनेशन अस्पताल में सेनीटाइजेशन करते हुए।

माह सितम्बर 2021 रिस्पना नदी में आयी आपदा में राहत कार्य करते नागरिक सुरक्षा के स्वंय सेवक

माह सितम्बर 2021 में अत्यधिक वर्षा में डयूटी करते नागरिक सुरक्षा के स्वयं सेवक

कोरोना काल

सुरेन्द्र दत्त डंगवाल
वैतनिक निरीक्षक
होमगार्ड्स देहरादून

नही भूलना कभी कोरोना के काल को,
तोड़ना है हमें इस दानव के जाल को।
स्वच्छता सहयोग का मन-मन में सिर्फ ध्यान हों,
कोरोना से हम लड़े बस यही अभियान हो।

राम हो रहीम हो साथ मिल चले सभी,
नहीं रूके नही डरे बस यही अभियान हो।
तोड़ना है हमें इस दानव के जाल को।
कोरोना से हम लड़े बस यही अभियान हो।

नहीं भूलना कभी कारोना के काल को।
खाकी या सफेद हो साथ मिल खडे सभी।
कामना लिये यही, कि देश का कल्याण हो।
स्वच्छता सहयोग का मन में सिर्फ ध्यान हो।

शेष हो न शुन्य हो रोग हो न दोष हो।
स्वच्छता सहयोग का मन में सिर्फ ध्यान हो।
कारोना से हम लड़े बस यही अभियान हो।
स्वछच्ता सहयोग का मन में सिर्फ ध्यान हो।

✲✲✲

वर्दी

चेतन मैथानी
पी0सी0पी0
ऊधम सिंह नगर

ये वर्दी है मेरे दोस्त रंग अनेक पर जूनून एक
सिर्फ वतन से प्यार, नसीब वालों को मिलती है,
पसीना बहाकर मिलती है, इतना आसान कहॉ इसे पाना,
हर किसी के बस्की नहीं खून बहाना।।

जब पहनो इसे तो गर्व महसूस हो,
मिट गये तो सम्मान नसीब हो।
जिम्मेदारी है देश की ये एहसास दिलाती है,वर्दी,
सर्दी हो या गर्मी, बरसात हो या अंधेरी रात,
मुश्तैदी से हर फर्ज निभा जाती है ये वर्दी।।

दुश्मन बाहर का हो या अंदर का,
बखूबी पहचानना जानती है ये वर्दी।
त्रासदी हो या आतंकवादी हमला,
निपटना जानती है ये वर्दी।।

बदनाम तो किया बहुतों ने इसे,
पर दिल कैसे जीतना है ये जानती है वर्दी।
दर्द अपना हो तो छुपा लेती है ये वर्दी,
पर दर्द देश का हो तो दूर करना जानती है ये वर्दी।।

अपने और पराये में भेद नहीं करती ये वर्दी,
पर अपनों के बीच दुश्मनों को पहचानना जानती है ये वर्दी।
फर्ज के खातिर भूख हो या प्यास हो सब कुछ भुला देती है ये वर्दी,
लेकिन बात तिरंगे पर आये तो खुद को भी मिटा लेती है ये वर्दी।।

उतरना है समंदर मैं तो लहरों से क्या घबराना,
और पहनी है वर्दी तो मुसीबतों से क्या घबराना।
यूँ तो तकलीफे बहुत है इस वर्दी पे,
लेकिन जब बात देश की हों तो
मरने—मारने से क्या घबराना।।

❋ ❋ ❋

रक्तदान–जीवन दान, महा दान

लोकेश गर्ग
उप प्रभागीय वार्डन (उत्तरी प्रभाग)
नागरिक सुरक्षा संगठन,देहरादून

भारतीय संस्कृति में दान का बहुत महत्त्व बताया गया है। कहा जाता है जो हम देते हैं वही हम पाते हैं। एक हाथ से दिया गया दान हजारों हाथों से लौट कर आता है। दान द्वारा न केवल हम धर्म का पालन करते हैं परन्तु समाज एवं प्राणी मात्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन भी करते है। दान के सभी प्रकारों जैसे अन्नदान, औषधदान, ज्ञानदान, अभयदान, अंगदान की परिपाटी को बरकरार रखते हुए हमें मानव जाति की रक्षा के लिए सभी को रक्तदान के लिए प्रेरित करें।

आइए रक्तदान से सम्बंधित आंकड़ो पर नजर डालें।

1. हर वर्ष केवल भारत में ही 12000 व्यक्ति प्रति दिन रक्त की कमी से अपनी जान गंवाते हैं।

2. लगभग 20 लाख लोग प्रतिदिन पूरे विश्व में रक्त की कमी से दुनिया को अलविदा कह देते हैं।

3. भारत में प्रति दिन 150 लाख यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है परन्तु भारत में केवल 110 लाख यूनिट रक्त ही एकत्रित हो पता है।

4. पूरे विश्व में रोज 1184 लाख यूनिट रक्त एकत्रित हो पता है, इसमें से 40 प्रतिशत उच्च आय वाले देशों से होता है।

5. भारत में कुल जनसंख्या का केवल 1 प्रतिशत लोग ही रक्तदान करते हैं जबकि यही प्रतिशत ऑस्ट्रिया के लिए 66 प्रतिशत और फ्रांस के लिए 52 प्रतिशत।

आप यह जानकर आश्चर्य चकित होंगे की विश्व के केवल 79 देशों से पूरे रक्तदान का 90 प्रतिशत हिस्सा केवल अवैतनिक स्वयं सेवक से आता है। इन आंकड़ों से स्पष्ट हो जाता है कि रक्त की आपूर्ति और खपत के बीच में बहुत बड़ा अंतर है जो विकास की तथा गरीब देशों में बहुत बड़ी चिंता का कारण है। इसलिए समय की मांग यही है की ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच रक्तदान की जागरूकता फैलाई जाये।

आखिर रक्त हमारे लिए इतना आवश्यक क्यों है।

1. रक्त को किसी कारखाने में नहीं बनाया जा सकता है , साथ ही साथ रक्त को लम्बे समय तक संग्रहित करके नहीं रख सकते हैं।

2. रक्त हमारे शारीर में संवाहक की तरह काम करता है जोकि शरीर में आवश्यक तत्वों जैसे ऑक्सीजन, पोषक तत्व, हारमोंस आदि को एक स्थान से दुसरे स्थान पर ले जाता है।

3. शरीर से उत्सर्जी पदार्थ जैसे यूरिया, कार्बन डाई ऑक्साइड आदि को बहार करता है।

4. प्रति रक्षात्मक कार्य करता है।

रक्तदान क्यों जरूरी है।

1. गर्भवती महिलाओं को कई बार प्रसव के समय, शल्य चिकित्सा के समय, एक्सीडेंट के कारण ज्यादा रक्त स्त्राव होने पर।

2. अनुवांशिक रक्त सम्बंधित बिमारियों, जैसे थैलेसिमिया और हेमोफिलिया आदि में।

यही कारण हैं की हम सब मिलकर रक्तदान करके किसी के जीवन को बचाकर उसके और उसके परिवार की खुशियाँ लौटा सकते हैं।

आप उस पल का स्मरण कीजिये जब आपका एक छोटा सा प्रयास जीवन और मृत्यु के बीच झूल रहे व्यक्ति को पुनः जीवन प्रदान करता है इसका केवल अनुभव ही किया जा सकता है।

आइए रक्तदान से सम्बंधित कुछ जरुरी बातें बताते हैं।

1. एक व्यक्ति के शरीर में लगभग 5 से 6 लीटर रक्त होता है।

2. रक्तदाता के शरीर से एक यूनिट रक्त ही लिया जाता है।

3. कई बार केवल दुर्घटना में चोटिल व्यक्ति को 100 यूनिट रक्त की भी जरुरत पड़ जाति है।

4. एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते है।

5. भारत में केवल 7ः व्यक्तियों का ब्लड ग्रुप 'O' नेगेटिव है जोकि यूनिवर्सल डोनर होता है।

6. 'O' नेगेटिव रक्त उस किसी व्यक्ति को दिया जा सकता है जिसका ब्लड ग्रुप पता न हो और रक्त की इमरजेंसी

हो।

7. 18 से 60 वर्ष की आयु का कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है।

8. रक्तदाता किसी भी बीमारी जैसे पीलिया, मोतीझरा, रतिरोग, हैप्पीटाईटिस और एड्स से पीड़ित न हो।

9. पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अन्तराल पर नियमित रक्तदान कर सकते हैं।

10. रक्तदाता का वजन 45 किलो से अधिक होना चाहिए।

11. रक्तदाता का हीमोग्लोबिन स्तर 12.5 या इससे अधिक होना चाहिए।

रक्तदान से केवल प्राप्तकर्ता को ही लाभ नहीं मिलता परन्तु दानकर्ता को भी बहुत से लाभ होते है जैसे :–

1. दिल की सेहत अच्छी हो सकती है। स्ट्रोक का खतरा कम होता है और आयरन की मात्रा नियंत्रित रहती है।

2. लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन तेज गति से होता है क्योकि शरीर आपके शरीर के रक्त को पूरा के कार्य में लग जाता है।

3. कैंसर का जोखिम कम हो जाता है।

4. नियमित रूप से रक्त दान शरीर की कोशिकाओं को प्रोत्साहित करता है जिससे शरीर की फिटनेस सुधरती है।

5. रक्तदान के समय खून और सहेत की नियमित जांच होने से आपको कई संक्रमणों के विषय में पता चल जाता है ।

मनुष्य के रक्त को 4 मुख्य वर्ग 'A', 'B', 'AB' और 'O' में वर्गीकृत किया गया है स यह ग्रुप Ṛ या R- होते हैं। भारत में 93 % R+ और 7 % R- हैं।

स्वस्थ होने के बाद भी लोग रक्तदान से डरते थे इसी लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन, अन्तराष्ट्रीय रेड क्रॉस तथा रेड क्रेसेंट समाज ने 14 जून, 2004 को वार्षिक तौर पर रक्तदान दिवस पहली बार मनाकर इसकी शुरुआत की थी।

हर भारतीय उन महान परम्पराओं का संवाहक है जिनका उदेश्य मानव जाति का कल्याण रहा है और जिन्होंने त्याग और बलिदान में आदर्श स्थापित किये हैं और जहाँ पर दहिची जैसे ऋषि हुए हैं जिन्होंने दूसरों के जीवन के लिए अपने शरीर की हड्डियों तक का दान कर दिया हो, तो हमारा ये कर्तव्य बनता है की हम इस महादान में अपनी इस छोटी सी आहुति रक्तदान के रूप में प्रदान करें।

आइये रक्तदान करें और अपने छोटे से प्रयास से किसी असमय मृत्यु को रोक के किसी को नव जीवन प्रदान करें और किसी को बेसहारा होने से रोकें और किसी सुहागन की मांग के सिंदूर की रक्षा करें।

✵✵✵

प्राथमिक चिकित्सा First Aid

राजेश कुमार सोनकर
सहायक उप नियंत्रक
नागरिक सुरक्षा,देहरादून।

एक्सीडेन्ट या चोट लगने के बाद व्यक्ति को अस्पताल लेजा ने से पहले किये जाने वाले सहायक इलाज के प्राथमिक चिकित्सा (First Aid) कहते हैं प्राथमिक चिकित्सा पर्ण चिकित्सान हीं होती,लेकिन उससे अस्पताल ले जाने के लिये रोगी की स्थिति को बेहतर किया जा सकता है अस्पताल ले जाते समय या मदद का इंतजार करते समय किसी व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा देने से उसकी जान बचायी जा सकती है। प्राथमिक चिकित्सा देने के बाद, हमेशा अपने हाथ अच्छी तरह से धोएं और अपनी आंखो, नाक, मुँह को हाथ न लगाएं।

First Aid: इसका प्रत्येक अक्षर अलग–अलग अर्थ रखते हैं।

F – Fast (शीघ्र)
I – Investigate (निरीक्षण करना)
R – Remove the cause (कारणो को हटाना)
S – Stop (कार्य बन्द करना)
T – Treatment (चिकित्सा करना)
A – Arrangement (रोगी को अस्पताल ले जाने हेतु व्यवस्था करना)
I – Immediate (अति शीघ्र रोगी को अस्पताल पहुँचाना)
D – Disposal (घटना का संपत होना)

प्राथमिक चिकित्सा करनेवाले व्यक्तियों को ए,बी,सी, डी का ज्ञान होना अतिआवश्यक हैः–

ए –एयरवे (Airway) तुरन्त चैक करना चाहिये

बी–ब्रीथिंग (Breathing) श्वॉस रूक गया हो तो तुरन्त बनावटी श्वॉस देना चाहिये।

सी–सर्कुलेशन (Circulation) (शरीर में रक्त प्रवाह होना चाहिये। यदि रोगी उपर्युक्त तीनों में से किसी प्रकार की प्रतिक्रिया देखने कोना मिल तो स्वतः हीडी आती है)

डी–मृत (Death) (मृत, लेकिन आप डॉक्टर के न होने पर स्वयं मृत घोशित नहीं कर सकते, केवल डॉक्टर ही मृत घोषित कर सकता है)

प्राथमिक चिकित्सा का उद्देश्य– प्राथमिक चिकित्सा के निम्नलिखित मुख्य उद्देश्य।

1–जान बचानाः–प्राथमिक चिकित्सा का सबसे मुख्य उद्देश्य होता है घायल या पीड़ित व्यक्ति की जान बचाना। किसी की जान बचाने के लिये आप हमेशा डॉक्टर पर निर्भर नहीं रह सकते हैं। ऐसा संभव नहीं है कि घटना स्थल पर हमेशा कोई डॉक्टर मौजूद हो, इसीलिए सही तरीके से प्राथमिक चिकित्सा देने से घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है।

2–स्थिति बिगड़ने से बचानाः–प्राथमिक चिकित्सा का उद्देश्य होता है घायल या पीड़ित व्यक्ति की स्थिति और घावों को बिगडने व बढ़ने से रोकना। किसी को प्राथमिक चिकित्सा देने का मतलब है कि आप उस व्यक्ति को खतरे से बचा रहें है। या उसका खतरा कम कर रहे हैं जैसे–आग से जल रहे व्यक्ति के ऊपर कम्बल देना उसे आग से बचाएगा और उसके लिये प्राथमिक चिकित्सा का काम करेगा।

प्राथमिक चिकित्सा के सिद्वांत–प्राथमिक चिकित्सा के सिद्वांत निम्नलिखित है।

1–एक्सीडेंट के बाद घायल व्यक्ति को जल्द से जल्द प्राथमिक चिकित्सा देना।
2–केवल आवश्यक प्राथमिक चिकित्सा ही देना।
3–रक्त स्राव को तुरन्त ठीक करना।
4–परिसंचरण को सही करना।
5–व्यक्ति को सदमा लगने से बचाना और अगर वह पहले से ही सदमें में है तो उसका इलाज करना।
6–फैक्चर या जोड़ हिलने की स्थिति में प्रभावित क्षेत्र को हिलने–डुलने न देना।

✲ ✲ ✲

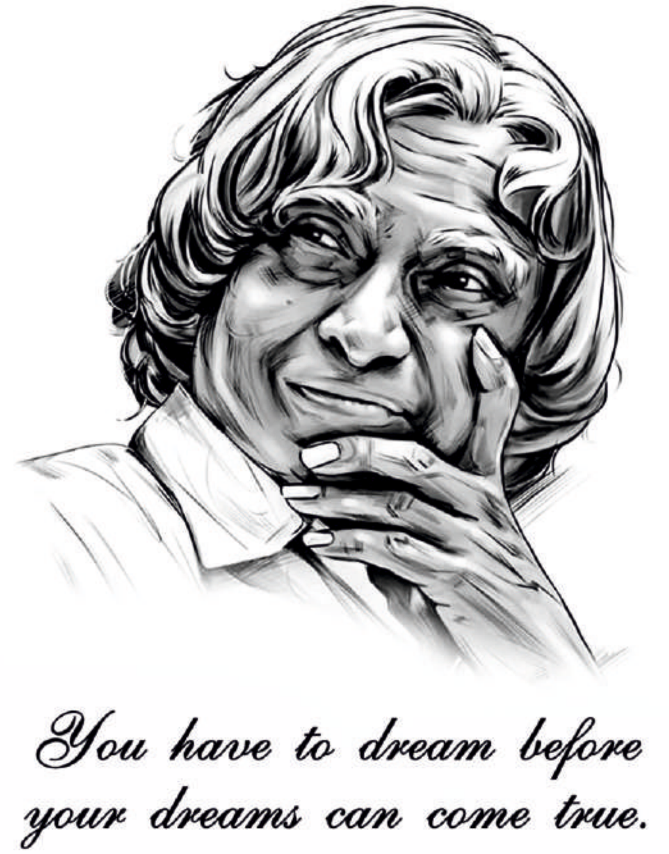

सुश्री सुनीता
वैतनिक प्लाटून कमाण्डर
टिहरी गढ़वाल

हर दिल अजीज

डा0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
(कलाम तुझे सलाम)

गरीबी में गुजरा था बचपन
कुछ अलग करने का था मन
सपनो का मतलब समझाया
जो सोने न दे उसे सपना बनाया

पृथ्वी और अग्नि मिसाइल से
भारत का गौरव बढ़ाया
नही छू सका जिसे कभी गुमान
कलाम तुझे सलाम

बच्चों से था बहुत प्यार
शिक्षण था पहला प्यार.
बच्चे जैसी ही मासूमियत
छोटे–बड़े सबको दी अहमियत

आत्मीयता बसी थी दिल में हर क्षण
जिसे पाकर धन्य हुआ राष्ट्रपति भवन
विनम्रता की थे खान
कलाम तुझे सलाम

युवाओं के प्रेरणापुंज
नहीं था किसी से रंज
नही सोए कोई भी भूखा
तकनीक में देश का नाम हो ऊँचा
दिल में था बस एक सपना भारत बने महान
कलाम तुझे सलाम

कोमल हृदय किन्तु इरादे मजबूत
भारत माँ के महान सपूत
आखिरी क्षण में भी कर्तव्य निभाया
विद्यार्थियों को विज्ञान पढ़ाया

हर आंख रोयी और बोली हर जुबान
क्या फिर पैदा होगा ऐसा इंसान?
बहुत प्यारी थी मधुर मुस्कान,
दुनियां भी हुई तुझ पर कुर्बान
कलाम तुझे सलाम

✵ ✵ ✵

सफर में धूप बहुत होगी।

रोजी वर्मा
कनिष्ठ सहायक
होमगार्ड्स कार्यालय पिथौरागढ़।

सफर में धूप तो बहुत होगी तप सको तो
चलो,
भीड़ तो बहुत होगी नई राह बना सको तो चलो।
माना कि मंजिल दूर है एक कदम बढ़ा सको तो
चलो,
मुश्किल होगा सफर, भरोसा है खुद पर तो चलो।
हर पल हर दिन रंग बदल रही जिदंगी,
तुम अपना कोई नया रंग बना सको तो चलो।
राह में साथ नहीं मिलेगा अकेले चल सको तो
चलो,
जिदंगी के कुछ मीठे लम्हें बुन सको तो चलो।
महफूज रास्तों की तलाश छोड़ दो धूप में तप सको तो
चलो,
छोटी-छोटी खुशियों में जिदंगी ढूंढ सको तो चलो।
तुम ढूढं रह हो अधेरों में रोशनी, खुद रोशन कर सको तो
चलो,
कहाँ रोक पायेगा रास्ता कोई जुनून बचा है तो चलो,
जलाकर खुद को रोशनी फैला सको तो
चलो,
गम सह कर ,खुशियां बांट सको तो चलो।
खुद पर हंसकर दूसरों को हंसा सको तो
चलो,
दूसरों को बदलने की चाह छोड़ कर, खुद बदल सको तो चलो।

❋❋❋

होमगार्ड्स की आत्मकथा

मोहन सिंह सैनी
अवै0 प्लाटून कमाण्डर,
जनपद नैनीताल, उत्तराखण्ड।

मैं होमगार्ड हूँ। आंधी में तुफान में, होली में रमजान में
देश के सम्मान में, अडिग कर्तव्यों की
अविरल छवि हूँ। मै होमगार्ड् हूँ।

तैयार हूँ। हमेशा ही, तेज धूप में और बारिश
हंस कर सहजाने को, सारे त्योहार सड़को पर
भीड के साथ मनाने को, पत्थर और गोली को
सीने पर खाने को, मैं होमगार्ड् हूँ।

अपनो के हर वादे को तोड़ कर
आया हूँ, मै होमागार्ड हूँ
आपके लिये अपनो को रोता
छोड कर आया हूँ।

हाथो में रंग गुलाल भरे
नीले, पीले कुछ लाल हरे
सब रंग हाथ धरे
जब दुनिया ये मुस्कुराती है
तब होमागार्ड डयूटी निभाते है।

शब्द कुछ ही कह पाया हूँ
आत्मकथा अभी बाकी है
मै होमगार्ड हूँ।

श्याम लाल
अवै0 प्लाटून कमाण्डर
जनपद हरिद्वार

देश का हमराही हूँ, देश का सिपाही हूँ,
देश के हर कोने पर मै काम करता हूँ।
भारत मॉ की सेवा में दिन रात करता हूँ,
उत्तराखण्ड़ के पहाड़ो को सलाम करता हूँ।।

बद्री के द्वार, मॉ गंगा जननी को प्रणाम करता हूँ,
हिन्दू हूँ हिन्दूस्तानी हूँ इस पर में नाज करता हूँ।
भारत माँ की सेवा में दिन रात करता हूँ,
देश की जनता से में प्यार करता हूँ।।

इस पर मैं सारा जीवन कुर्बान करता हूँ,
भारत माँ की सेवा में दिन रात करता हूँ।

✲ ✲ ✲

भारतीय समाज में नारी का स्थान

शुभम राणा
कनिष्ठ सहायक
होमगार्ड्स मुख्यालय, देहरादून।

प्राचीन काल में हमारे समाज में नारी का महत्व नर से कहीं बढ़कर होता था। किसी समय तो नारी का स्थान नर से इतना बढ़ गया था कि पिता के नाम के स्थान पर माता का ही नाम प्रधान होकर परिचय का सूत्र बन गया था। धर्म द्रष्टा मनु ने नारी को श्रद्धामयी और पूजनीय मानते हुए महत्व प्रदर्शित किया–

'यत्रनार्यस्तु पूज्यते, रमन्ते तत्र देवताः।'

अर्थात जहाँ नारी की पूजा प्रतिष्ठा होती है, वहाँ देवता रमण करते हैं, अर्थात निवास करते हैं।

धीरे धीरे समय के पटाक्षेप के कारण नारी की दशा में कुछ अपूर्व परिवर्तन हुए। वह अब नर से महत्वपूर्ण न होकर उसके समकक्ष श्रेणी में आ गई। अगर पुरूष ने परिवार के भरण पोषण का उत्तरदायित्व सम्भाल लिया तो घर के अन्दर के सभी कार्यों का बोझ नारी ने उठाना शुरू कर दिया। इस प्रकार नर और नारी के कार्यों में काफी अन्तर आ गया। ऐसा होने पर भी प्राचीन काल की नारी ने हीन भावना का परित्याग कर स्वतंत्र और आत्मविश्वास होकर अपने व्यक्तित्व का सुन्दर और आकर्षक निर्माण किया। पंडित मिश्रा की पत्नी द्वारा शंकराचार्य जी के परास्त होने के साथ गार्गी, मैत्रेयी, विद्योत्तमा आदि विदुषियों का नाम इसी श्रेणी में उल्लेखनीय है।

समय के बदलाव के साथ नारी दशा में अब बहुत परिवर्तन आ गया है। यूँ तो नारी प्राचीनकाल से अब तक भार्या के रूप में रही है। इसके लिए उसे गृहस्थी के मुख्य कार्यों में विवश किया गया।

शिक्षा के प्रचार प्रसार के फलस्वरूप अब नारी की वह दुर्दशा नहीं है, जो कुछ अंधविश्वासों, रूढ़िवादी विचारधारा या अज्ञानता के फलस्वरूप हो गयी थीं। नारी को नर के समानान्तर लाने के लिए समाज चिन्तकों ने इस दिशा में सोचना और कार्य करना आरंभ कर दिया है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने इस विषय में स्पष्टता ही कहा है–

'एक नहीं, दो दो मात्राएँ, नर से बढ़कर नारी।'

नारी के प्रति अब श्रद्धा और विश्वास की पूरी भावना व्यक्त की जाने लगी है। कविवर जयशंकर प्रसाद ने अपनी महाकाव्यकृति कामायनी में लिखा है–

नारी! तुम केवल श्रद्धा हो,
विश्वास रजन नग, पग तल में।
पीयूष स्रोत सी बहा करो,
जीवन के सुन्दर समतल में।।
अब नारी की स्थिति वह नहीं रह गयी है,
'नर को बाँटे क्या, नारी की नग्न मूर्ति ही आई।

नारी आज समाज में प्रतिष्ठित और सम्मानित हो रही है। वह अब घर की लक्ष्मी ही नहीं रह गयी है अपितु घर से बाहर समाज का दायित्व निर्वाह करने के लिए आगे बढ़ आयी है। वह घर की चार दीवारी से अपने कदम को बढ़ाती हुई समाज की विकलांग दशा को सुधारने के लिए कार्यरत हो रही है। इसके लिए वह नर के समानान्तर पद, अधिकार को प्राप्त करती हुई नर को चुनौती दे रही है। वह नर को यह अनुभव कराने के साथ साथ उसमें चेतना भर रही है। नारी में किसी प्रकार की शक्ति और क्षमता की कमी नहीं है। केवल अवसर मिलने की देर होती है। इस प्रकार नारी का स्थान हमारे समाज में आज अधिक सायादूत और प्रतिष्ठित है।

❋ ❋ ❋

मिं तुमर पहाड़ छूं

कबीन्द्र सिंह
कनिष्ठ सहायक,
होमगार्ड्स मुख्यालय, देहरादून।

मैं जनपद पिथौरागढ़ के एक छोटे से गांव हुपूली का निवासी हूं। मेरे जीवन की प्रारम्भिक शिक्षा यहल पर हुयी। पिथौरागढ़ उत्तराखण्ड राज्य के पूर्व में स्थित सीमान्त जनपद है। यहां पर स्थानीय भाषा कुमाऊनी का प्रचलन है। प्रकृति की गोद में बसा उत्तराखण्ड का यह नगर पहाड़ों के बीच रखे कटोरे जैसा है। सूरज की पहली किरणों के साथ यहां के ऊंचे-ऊंचे बर्फ से ढके पहाड़ ऐसे लगते हैं जैसे हमें कह रहे हों-

मि तुमर पहाड़ छूं...मि तुमर पहाड़ छूं...
आब त हाड़ै-हाड़ छूं...,
मि कैं भुलि जया झन...मि कैं बचे रखिया..
मिं तुमर पराण छूं...बस मि तुमर पहाड़ छूं।

मि चां कि तुमि लै उच्च बणो..काम तुमि लै सच्च करो..
हिटते रूंण छु सदा अघिल...तड़ि में जब तक तरांण छूं...
मि तुमर पहाड़ छूं... मि तुमर पहाड़ छूं...।

हिटो-हिटो, अघिल बणो...औरों कें लै दगड़ धरो...
कान में धरंण छु देशौक ब्वझ...आद्बाट में नैं पटांण छूं...
मि तुमर पहाड़ छूं... मि तुमर पहाड़ छूं...।

न्है गे पुराणि बिसूं सदी... ऐ गे न इकाइसूं सदी...
न स्वीण, न पुड़ फुटाल, मंजिल न आव टाड़ छूं...
मि तुमर पहाड़ छूं... मि तुमर पहाड़ छूं...।

मि भलै हाड़-हाड़ छूं... फिर लै भली-भैं ठाड़ छूं...
शुद्ध हौ-पांणि, खांण छू.. सुन-चांदिक पखांण छूं...
मि तुमर पहाड़ छूं... मि तुमर पहाड़ छूं...।

जवानुक घर और देशक, मान-सम्मान छूं....
उनी रेया, भेटनी रेया...मि कैं भुलि जया झन...
मि तुमर पहाड़ छूं... मि तुमर पहाड़ छूं...।

❋ ❋ ❋

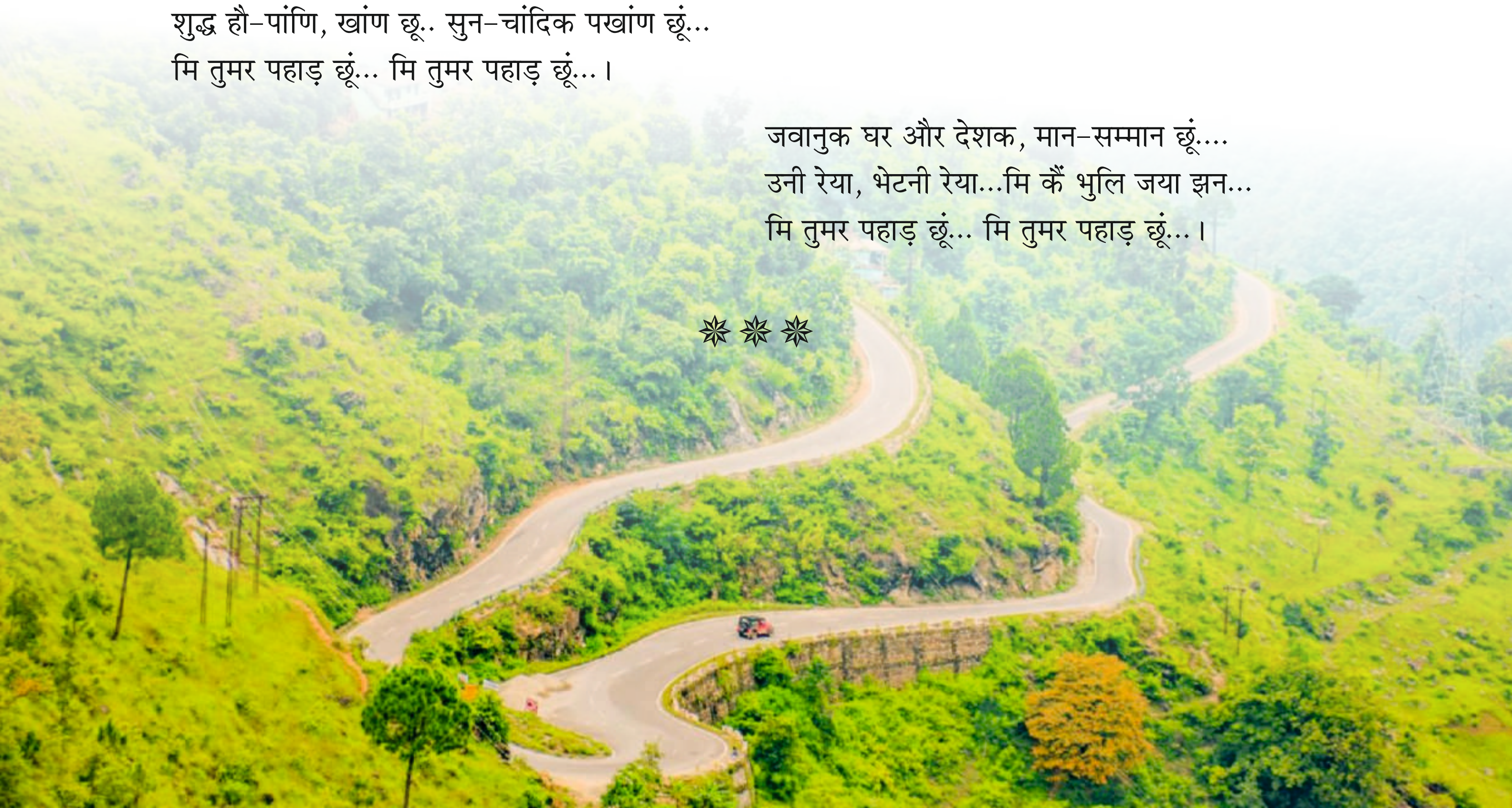

पिता का महत्व

कृष्णा साहू
पुत्र श्री एस.के. साहू

कभी अभिमान तो कभी स्वाभिमान है पिता
कभी धरती तो कभी आसमान है पिता
जन्म दिया है अगर माँ ने
जानेगा जिससे जग वो पहचान है पिता

कभी कंधे पर बिठाकर मेला दिखाता है पिता
कभी बनके घोड़ा घुमाता है पिता
माँ अगर पैरों पर चलना सिखाती है
तो पैरों पर खड़ा होना सिखाता है पिता

कभी रोटी तो कभी पानी है पिता
कभी बुढ़ापा तो कभी जवानी है पिता
माँ अगर है मासूम सी लोरी
जो कभी भूल ना पाऊंगा वो कहानी है पिता

कभी हंसी तो कभी अनुशासन है पिता
कभी मौन तो कभी भाषण है पिता
माँ अगर घर में रसोई है
तो चलता है घर जिससे वो राशन है पिता

कभी ख्वाब को पूरा करने की जिम्मेदारी है पिता
कभी आंसुओं में छिपी लाचारी है पिता
माँ अगर बेच सकती है जरूरत पर गहने
तो जो अपने को बेच दे वो व्यापारी है पिता

कभी हंसी और खुशी का मेला है पिता
कभी कितना तन्हा और अकेला है पिता
माँ तो कह देती है अपने दिल की बात
सब कुछ समेट के आसमान सा फैला है पिता

माँ का महत्व

काजल साहू
पुत्री श्री एस.के. साहू

वो नन्हा कदम जब भी डगमगाया,
उस कदम को बस उसने ही संभलना सिखाया,
अब चलना भी सीख लिया, संभलना भी सीख लिया,
माँ की दुआ से बड़े होकर
हर वक्त में ढलना भी सीख लिया।

सुना है निखरता है सोना आग में जलकर,
उस अन्दाज में हमने जलना भी सीख लिया,
अपनी खुशियों को दूर रखकर भी खुश रहना,
खुश रहने का ये हुनर भी
माँ तुझसे ही सीख लिया।

पूजते हैं लोग अक्सर पत्थरों को भगवान समझकर
पर हमने माँ की दुआओं में भी भगवान को देख लिया,
अपनी जिन्दगी की चन्द खुशियां उस माँ को भी दे दो यारों
जिसने हमारी थोड़ी सी खुशियों के लिये
अपनी उम्र भर की सारी खुशियों को बेच दिया।
वो माँ भी खुश होगी इक दिन....
कि उसकी अनकही बातों से भी उसके बच्चों ने कुछ सीख लिया।

मेरी दुनिया में इतनी जो शोहरत,
मेरी माँ की बदौलत
ऐ मेरे भगवान और क्या देगा तू
मेरी माँ ही मेरी सबसे बड़ी दौलत।

अनुभव

कवि
(हवलदार प्रशिक्षक)
होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

जैसा कि आप अवगत हैं कि रैतिक परेड के शुभ अवसर पर प्रतिवर्ष स्मारिका का विमोचन माननीय मुख्यमंत्री महादय द्वारा किया जाता है, जो सम्पूर्ण होमगार्ड्स विभाग के लिये एक गौरव की बात है।

मेरा व्यक्तिगत रुप से मानना है कि समय दर समय जो इंसान सीखता रहता है वह जीवन में किसी भी परीक्षा में कभी भी असफल नही हो सकता। समय दर समय सीख लेने वाला मनुष्य अपने अनुभव के दम पर भविष्य के लिये स्वंय को तैयार कर लेता है। जीवन में अनुभव प्रत्येक मनुष्य के लिये एक संजीवनी का कार्य करता है। अपने जीवन तथा वर्तमान में छोटे से कार्यकाल में मैने यह महसूस किया कि चाहे कितनी भी बडी से बडी शख्सियत हो यदि अनुभव नही तो, सब कुछ शून्य हैं। कोई भी कार्य, किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रथम बार किया जाता हैं, परन्तु बार बार कार्य को दोहराने के पश्चात वह अपने कार्य में निपुण हो जाता है। उदाहरण के लिए यदि किसी भी जगह कोई महत्वपूर्ण कार्य/आयोजन/कार्यक्रम आदि होते हैं तो अनुभव को तवज्ज़ो देकर सबसे अनुभवी व्यक्ति को ही प्राथमिकता दी जाती है। मैं स्वंय भी इस सोच के साथ प्रत्येक दिन कुछ नया अनुभव करने के लिये तैयार रहता हूँ क्योंकि मेरा मानना है कि, वर्तमान का अनुभव, भविष्य में हौसला बनकर व्यक्ति के सच्चे मित्र के रुप में सहायक साबित होता है।

बढ रहा हूँ और बढूगा मै प्रतिदिन पल-पल,
चाहे हो वर्तमान, चाहे हो आने वाला कल ।
सीखता रहूँगा समय से जीवन जीने की कला,
निस्वार्थ भाव से कार्य करो तो हो सदैव भला ।

✵✵✵

मौका

गोविन्द कण्डारी
सं.चतुर्थ.श्रेणी,
होमगार्ड्स मुख्यालय, देहरादून।

''कभी हंसाया, कभी रूलाया, 2020 तूने क्या–क्या सिखाया।''
यू ही नहीं हर सांस जिन्दगी की, एक नयी उम्मीद बन जाती है,
डाली पर खिली हर पत्ती, पूरी बगिया को महकाती है,
कुछ तो है जिसकी वजह से, बरकरार है ये रात की चॉदनी,
यूं ही नहीं हर सुबह फिर, एक नयी धूप खिल जाती है।

नया दिन, नये पल, नया साल, एक नया मौका खुद को और बेहतर करने का, साल–2020 को कौन भूल सकता है, हालांकि लोग भूलना तो बहुत चाहते हैं। हम बात कर रहें हैं ऐसे साल–2020 की, हालांकि सभी चाहते हैं कि 2020 जैसा साल फिर कभी दुबारा ना आये परन्तु ऐसा बहुत कुछ था साल 2020 में, जो हमें बहुत कुछ सिखा गया। बहुत दिनों बाद प्रकृति ने चैंन की सांस ली थी। दिलों में जो दूरियां थी, वो भी कम हो गयी थी। परिवार अब हर रोज साथ बैठकर एक साथ खाना खा रहा था। लूडो की गिट्टियां हर कोई घुमा रहा था। दादा–दादी के किस्सों की गूज फिर सुनाई दे रही थी। इतिहास के पन्नों की गाथाओं का बीज फिर पनप रहा था। डर सबके मन में था पर राम का नाम हर कोई जप रहा था। इस समय ने समाज को इतना सिखा दिया था कि प्यार और इंसानियत तो सभी के दिलों में है, बस जिंदगी की भागदौड़ में हम एक–दूसरे की कद्र करना भूल गये थे। भूल गये थे कि यह संसार सभी का है, जिसमें सभी को जीने का अधिकार है। इसलिये जो साल गुजर गया, उस साल को सलाम तथा आने वाले वक्त को सलाम इसलिये जो गया उसका गम ना करो, जो पास है उसका ऐतराम करो।

''अभी नहीं जागे हम तो, मुद्दतों जलना होगा।
हाथ नहीं बढ़ाया तो, हाथ फिर मलना होगा।।''

❋ ❋ ❋

चौकी आशारोड़ी

होगा 1513 मनीष चन्द्र
ई कम्पनी नगर देहरादून

आशारोडी के जंगल में देखे मैने दृश्य महान।
बन्दरों के झमेले देखे और सुना चिडियो का गान।
बिन मौसम की वर्षा देखी और सुना कोयल का गान।
आशारोड़ी के जंगल में देखे मैने दृश्य महान।

हरियाली का रूप भी देखा।
वृक्षों का स्वरूप भी देखा।
संघर्ष करता मानव देखा ।
सुन्दरता का रूप भी देखा।

हिरनों के झुण्ड भी देखें।
पर नहीं देखा उनमें अभिमान।
देखो ये कितने हे महान।
देखो ये कितने हे महान।

सुन्दरता का बोध न करते
सब मिलजुल रहते एक समान
इनकी बस आँखों में देखो।
जैसे मांग रहे हो करूणां का दान ।
देखा ये कितने है महान।
देखा ये कितने है महान।

मानव को दे बस यही सन्देश।
कि सीधा सच्चा है इन का ।
शपथ लो इनके रक्षण की।
शपथ लो इनके रक्षण की।

✵ ✵ ✵

''सूरज जैसे चमकने के लिये, उसकी तरह तपना भी पड़ता है''

कमला देवी
महिला होगा. 2288
जनपद नैनीताल

''पराजय तब तक नहीं होती, जब आप गिर जाते हैं,
पराजय तब होती है, जब आप उठने से इनकार कर देते हैं।''

मेरे लिये कठिन परिश्रम वह है, जो हमको चुनौती देता है। लेकिन आखिर चुनौती जरूरी क्यों है? क्यों न जीवन में उसे ही किया जाये जो सरल और आसान है। ज्यादातर लोग वही करते हैं जो आसान और कठिन परिश्रम से दूर रहते हैं– और यही वजह है कि हमें ठीक इसका उल्टा करना चाहिए। जिंदगी के निचले अवसरों पर लोगों के झुण्ड के झुण्ड टूट पड़ते हैं, क्योंकि वे आसान होते हैं और अपेक्षाकृत ज्यादा कठिन चुनौतियों पर मुकाबला काफी कम होता है और अवसर कहीं अधिक।

''अच्छे दिन बैठे रहने से नहीं आते हैं,
उन्हें पाने के लिये बुरे दिनों को कठिनाईयों से लड़ना पड़ता है।''

एक मुश्किल काम सामान्यतः एक अच्छे परिणाम से ही जुड़ा होता है। जहॉ सभी लोग आसान काम के लिये देख रहे हों और वहॉ हमें मुश्किल काम मिले, तो अपने आप को खुशकिस्मत समझना चाहिए, लेकिन क्या हम अपनी सफलता को लम्बे समय तक बनाये रख सकते हैं? या यह सिर्फ हमारा भ्रम है? जब हम खुद को मुश्किल काम करने के लिये तैयार कर लेते हैं तो हम नतीजों के उस क्षेत्र में दाखिल हो जाते हैं जहॉ बाकी सब का प्रवेश मना है। जो मुश्किल है उसे करने के लिये तैयार रहना ऐसा है जैसे कि हमें अपने ही खास खजाने की चाबी मिल गयी हो। कठिन परिश्रम को हम लम्बे समय के सकारात्मक परिणाम हासिल करने के लिये प्रयोग कर सकते हैं। उद्‌देश्य तय करना उसे पाने की योजना करना, सही रास्ता चुनना, सब कड़ी मेहनत का काम है। यहां तक कि खुश रहना भी कड़ी मेहनत का काम है।

''इस दुनियॉ में कोई भी स्थायी नहीं होता,
इसलिये किसी बात के लिये खुद को बहुत ज्यादा तनावग्रस्त नहीं करना चाहिये,
क्योंकि हालात कितने भी खराब हों, एक दिन बदलते जरूर हैं।''

कठिन परिश्रम और उसका स्वीकार्य हमेशा साथ–साथ चलता है। एक बात जो हमें स्वीकार करनी होगी कि, हमारी जिन्दगी में कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जो कि बिना कठिन परिश्रम के किसी और चीज से नहीं हारने वाले। हो सकता है कि एक अच्छे रिश्ते को पाने में हमारी किस्मत साथ न दे रही हो, शायद यह केवल तभी सम्भव हो पाये, जब हम यह स्वीकार कर लें कि इसके लिये हमें वही करना होगा जिससे हम अब तक बचते आ रहे हैं, शायद अब यह स्वीकार करने का समय आ गया है कि हमारे उद्‌देश्य का रास्ता अनुशासित आहार और व्यायाम (क्योंकि दोनों ही कठिन परिश्रम का काम है) से होकर गुजरता है, और हो सकता है जब हम कठिन परिश्रम को टालने और उससे डरने के बजाय खुद को उसके हवाले कर देगें तो हमारी जिन्दगी एक बिल्कुल ही नये स्तर पर पहुँच जायेगी। हम इसे अपना दोस्त बनायें न कि दुश्मन, यह शक्तिशाली औजार है हमारा हमेशा साथ देगा...........

''जो व्यक्ति जीवन में कभी संघर्श से परिचित नहीं होता,
इतिहास गवाह है, कि वो कभी चर्चित भी नहीं होता।''

❋ ❋ ❋

निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को सराहनीय कार्यों के लिये राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक से सम्मानित किया गया:-

क0स0	नाम	पदनाम	वर्ष
1	श्री भगत सिंह	वरिष्ठ लिपिक	2004
2	श्री योगेम्बर सिंह	स्टाफ अधिकारी	2010
3	श्री श्यामेन्द्र कुमार साहू	प्रधान सहायक	2011
4	श्री के0के0 पाण्डेय	होमगार्ड जवान	2013
5	श्री राजीव बलोनी	स्टाफ अधिकारी	2016
6	श्री अमिताभ श्रीवास्तव	वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी	2017
7	श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	2018
8	श्री उमेश्वर सिंह रावत	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	2018
9	श्री मोहन चन्द्र तिवारी	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	2019
10	श्रीमती हेमा कार्की	वैतनिक निरीक्षक	2020
11	श्री सतीश अग्रवाल	मुख्य वार्डन (अवैतनिक)	2020
12	श्री राजेश कुमार सोनकर	वायरलैस ऑपरेटर	2020

निम्नलिखित अधिकारियों को विशिष्ट कार्यों के लिये राष्ट्रपति का गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा पदक से सम्मानित किया गया:-

क0स0	नाम	पदनाम	वर्ष
1	श्री श्यामेन्द्र कुमार साहू	प्रशासनिक अधिकारी	2017

निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को सराहनीय/उत्कृष्ट कार्य करने के लिये डी0जी0सी0डी0 (ब्रॉज/सिल्वर) मेडल एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया:-

क0स0	नाम	पदनाम	वर्ष
1	श्री राजीव बलोनी	स्टाफ अधिकारी	2015
2	श्री राहुल सचान	जिला कमाण्डेन्ट	2015
3	श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट	प्रशासनिक अधिकारी	2015
4	श्री श्यामेन्द्र कुमार साहू	प्रशासनिक अधिकारी	2015
5	श्री गौतम कुमार	जिला कमाण्डेन्ट	2016
6	श्रीमती कमला पाण्डे	प्लाटून कमाण्डर	2016
7	श्री अमिताभ श्रीवास्तव	वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी	2017
8	सुश्री एकता उनियाल	सहायक उपमहासमादेष्टा	2017
9	श्री सतीश अग्रवाल	मुख्य वार्डन, नागरिक सुरक्षा	2017
10	श्री राजीव बलोनी	वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी	2019
11	श्री गौतम कुमार	मण्डलीय कमाण्डेन्ट	2019
12	श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	2019
13	श्री श्यामेन्द्र कुमार साहू	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	2019
14	श्री जगत सिंह	वैतनिक निरीक्षक	2019
15	श्री हेमा कार्की	वैतनिक निरीक्षक	2019

होमगार्ड्स कल्याण कोष के लाभार्थियों का विवरण

दिनांकः माह सितम्बर 2021 को होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय में आहूत कल्याण कोष की बैठक में स्वीकृत किये गये प्रकरण।

क0स0	प्रकरण	संख्या	धनराशि
1	सेवा पृथक	7	रू0 सात लाख
2	मृतक	1	रू0 एक लाख

उत्तराखण्ड शासन की अपेक्षाअनुसार दिनांकः 25 नवम्बर 2021 को होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा मुख्यालय में आहूत कल्याण कोष की बैठक में स्वीकृत किये गये प्रकरण।

क0स0	प्रकरण	संख्या	धनराशि
1	सेवा पृथक	240	रू0 दो करोड़ चालीस लाख
2	मृतक	24	रू0 सैंतालीस लाख
3	छात्रवृत्ति	1	रू0 तीन हजार
	योग	2,87,03000 (दो करोड़ सतासी लाख तीन हजार)	

❋❋❋

निर्देशिका–2021

Shri Ajay Rautela
Commandant General and Director Civil Defence
Phone: 0135-2784471, Mob.: 9411112701
E-mail: cghgcduk@gmail.com

Shri Amitabh Srivastava
Deputy Commandant General
Phone: 0135-2973937, 9917790009
E: dycg.hgcdhq.uk@gmail.com

Shri Rajeev Baloni
Deputy Commandant General
Phone 0135-2784472, 9411111994
E-mail: mirajmki007@gmail.com

Ms. Ekta Uniyal
Senior Staff Officer
Phone: 9411500494
ektauniyal0312@gmail.com

Mr. Lalit Mohan Joshi
Divisional Commandant Home Guards,
Kumaun Mandal
Mob. 9412969511
divcomntl@gmail.com

Smt. Pratima
Asst. Deputy Commandant General
Phone: 9415343751
dchg.usn.uk@gmail.com

Shri Gautam Kumar
Divisional Commandant Home Guards,
Garhwal Mandal
Mobile 9457585300
E-mail: div.hg.garhwal@gmail.com

Dr. Rahul Sachaan
Staff Officer
Mobile: 9415262010
staffofficerhghq@gmail.com

Mr. Nitin Kakerwal
Distt. Commandant Home Guards,
Almora
E-mail: 7838109294
dchgalm@gmail.com

Shri Nirmal Joshi
Distt. Commandant Home Guards,
Rudraprayag
Mobile: 8826881525
E-mail: dchgrbg@gmail.com

Uttarakhand Home Guards & Civil Defence (Govt. of Uttarakhand)
Homeguards Headquater Nannurkeda, Raipur, Dehradun Uttarakhand-248008
Phone: +91 135 2784473 | +919458950814
web: www.nishkamhgcd.uk.gov.in

रैतिक परेड-2021 में सम्मिलित अधिकारीगण

श्री गौतम कुमार
परेड कमाण्डर

श्री चन्द्रकान्त बिष्ट
सेकेण्ड इन कमाण्ड

श्रीमती बबीता रावत
परेड एडज्यूटेन्ट

रैतिक परेड-2021 में सम्मिलित कम्पनी कमाण्डर/टोली कमाण्डर

श्री विजयपाल
कम्पनी कमाण्डर (1)

श्री चेतन मैठाणी
कम्पनी कमाण्डर (2)

श्री मुकुल राठी
परेड मेजर

श्री शमशेर सिंह

श्री मनीष दनौसी

श्री ओमवीर

श्री विनोद

श्री सोनू

कु0 आशा

ग्राउण्ड स्टाफ

श्री राजपाल सिंह राणा

श्री मौ. अरशद

स्मारिका सम्पादकीय टीम

श्री प्रकाश चन्द्र बहुगुणा

श्री कवि

स्मारिका में दी गई रचनाओं के कथनों/तथ्यों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है।